आध्यात्मिक उपचार

निशांत के. शर्मा

न्यूमरोलॉजर, एस्ट्रोलॉजर, औरा एक्सपर्ट एंड वास्तु कंसल्टंट

मो. : 9305793058

दीपावली के अवसर पर धन प्राप्ति का विशेष योग बन रहा है। ऐसे जिन लोगों को धन प्राप्ति करनी है। वे धनतेरस से लेकर दीपावली तक तीन दिन यह जाप करें। इसके लिए प्रतिदिन संध्या के समय शौच, स्नानादि से निवृत्त होकर ऊनी आसन पर श्वेत सूती वस्त्र पहनकर, पर उत्तर की ओर मुंह करके बैठ जाएं। धनतेरस के दिन अग्रलिखित मंत्र का 40 माला जाप। उसके अगले दिन रूप चतुर्दशी को 42 माला जाप और तीसरे दिन दीपावली में 43 माला जप करें। इसके लिए 108 दाने की तुलसी माला का प्रयोग करना है।

मंत्र : ऊ ह्रंश्रीं क्लीं क्रौं अँ घंटाकर्ण महावीर महावीर लक्ष्मी पूरय पूरय सुख साभाग्यं कुरु कुरु स्वाहा।

DBD

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

मेहनत उस प्रतिभा को हरा देती है जो मेहनत नहीं करती।
- पेड्रो मार्टिनेज

वर्ष : 33 | अंक : 219 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

शरद पवार को 'सुप्रीम' झटका

फिलहाल अजित पवार ही करेंगे NCP की 'घड़ी' का इस्तेमाल

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अजित पवार गुट को राहत दी। अदालत ने कहा कि अजित गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में 'घड़ी' चिह्न का इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन उसे चुनावी बैनर और पोस्टर्स में यह लिखना होगा कि यह विवाद का विषय है और कोर्ट में विचाराधीन है।

- जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष हमारे निर्देशों का पालन करेंगे
- 6 नवंबर को होगी मामले की अगली सुनवाई

शरद गुट की याचिका

कोर्ट शरद गुट की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि अजित गुट अदालत का आदेश नहीं मान रहा है, इसलिए उसे विधानसभा चुनाव में 'घड़ी' चिह्न के इस्तेमाल से रोका जाए। साथ ही अजित गुट को नए चिह्न के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया जाए।

'अजित गुट नया हलफनामा भी दाखिल करे'

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने अजित पवार के वकील को निर्देश दिया कि अजित गुट नया हलफनामा भी दाखिल करे। साथ ही चेतावनी दी कि यदि आदेश का उल्लंघन किया गया तो वह खुद ही अवमानना का केस शुरू करेगी। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी।

कोर्ट बोला - आदेश न मानकर अपने लिए शर्मनाक हालात न बनाएं

जस्टिस सूर्यकांत ने अजीत पवार के वकील बलवीर सिंह से कहा- एक बार जब हमने निर्देश जारी कर दिया, तो उसका पालन करना होगा। आप जवाब दाखिल करें और एक नया हलफनामा दें कि अतीत में भी आपने उल्लंघन नहीं किया है और भविष्य में भी आप उल्लंघन नहीं करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष हमारे निर्देशों का पालन करेंगे। अपने लिए शर्मनाक स्थिति न बनाएं।

NCP के चुनाव चिह्न से जुड़ी पिछली 3 सुनवाई...

4 अप्रैल: सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि शरद पवार गुट केवल NCP (शरद पवार) नाम और तुरहा (तुरही) बजाता हुआ आदमी चिह्न का इस्तेमाल करेगा। कोर्ट ने कहा था- दूसरे शब्दों में, याचिकाकर्ता शरद पवार या समर्थक घड़ी चिह्न का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

19 मार्च: सुप्रीम कोर्ट ने NCP शरद चंद्र पवार के चुनाव चिह्न 'तुरही बजाता आदमी' को मंजूरी दे दी थी। अजित पवार गुट से कहा था कि वे सार्वजनिक रूप से अंग्रेजी, हिंदी, मराठी के अखबारों में विज्ञापन देकर बताएं कि उनके इलेक्शन सिंबल घड़ी का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इस पर अंतिम निर्णय कोर्ट में सुनवाई के बाद ही होगा। NCP अजित पवार को घड़ी चुनाव चिह्न के कोर्ट में विचाराधीन होने को हर टेम्प्लेट, ऐड, ऑडियो-वीडियो क्लिप में भी बताना होगा।'

14 मार्च: अजित पवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- अजित गुट लिखकर दे कि शरद पवार का फोटो इस्तेमाल नहीं करेंगे। कोर्ट ने कहा- अब आप अलग पार्टी हैं, अपनी पहचान बनाएं। साथ ही 18 मार्च तक जवाब दाखिल करने को कहा था। बेंच ने अजित गुट से बिना शर्त लिखित गारंटी देने का आदेश दिया कि वे शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

सेवानिवृत हुआ 'ऑस्कर'

मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक का लगाया था पता

नितिन तोरस्कर । मुंबई

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास 'एंटीलिया' के पास एक कार में विस्फोटक की जांच में अहम भूमिका निभाने वाला पुलिस के श्वान दस्ते का सदस्य 'ऑस्कर' अपने एक सहयोगी माइलो के साथ सेवानिवृत हो गया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

10 वर्षों तक पुलिस बल का हिस्सा

दोनों ही श्वान 10 वर्षों तक पुलिस बल का हिस्सा थे और बुधवार को एक समारोह में उन्हें शानदार विदाई दी गई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (संरक्षण एवं सुरक्षा) विनीत साहू सहित कई अधिकारी शामिल हुए।

ऑस्कर 2014 में बीडीडीएस में शामिल

पुलिस अधिकारी ने कहा, 'ऑस्कर 2014 में मुंबई पुलिस के बम खोजी एवं निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) में शामिल हुआ था। ऑस्कर बीडीडीएस के 12 श्वानों में से एक था और इसके कार्यों में धमकी और बम की फर्जी सूचना पर कार्रवाई और वीआईपी सुरक्षा शामिल थी। ऑस्कर ने 25 फरवरी, 2021 को मालाबार हिल में मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास खड़ी कार में जिलेटिन की छड़ों का पता लगाया था।' उन्होंने बताया कि माइलो ने वीआईपी सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की जांच, बम की धमकी से जुड़े मामलों, संदिग्ध बैगों की जांच आदि जैसे कर्तव्य निभाए। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि उनकी सेवाओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए, हमने आश्रय गृह में वातानुकूलित की व्यवस्था की है, जहां दोनों श्वानों को रखा जाएगा तथा उनके परिवहन के लिए एक वातानुकूलित वाहन भी दिया है। हमने उनकी उत्कृष्ट सेवा को श्रद्धांजलि देने के लिए एक 'वॉल ऑफ फेम' भी बनाई है।

न्यूज़ ब्रीफ

आदित्य ठाकरे, जयंत पाटिल ने नामांकन किए दाखिल

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल सहित कई प्रमुख नेताओं ने 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार

को अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री दिलीप वाल्से पाटिल और छगन भुजबल ने क्रमशः अम्बेगांव और येओला सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई के मालाबार हिल से अपना नामांकन दाखिल किया। आदित्य ठाकरे ने अपने मौजूदा निर्वाचन क्षेत्र मुंबई के वर्ली से नामांकन दाखिल किया। राकांपा के दिवंगत नेता आर आर पाटिल के पुत्र रोहित पाटिल राकांपा (शरदचंद्र पवार) के टिकट पर तासगांव-कवठेमहांकाल से चुनाव मैदान में उतरे। पूर्व मंत्री जयंत पाटिल ने इस्लामपुर से नामांकन दाखिल किया।

महायुति में बगावत!

धीरज सिंह । मुंबई

समीर भुजबल, जो छगन भुजबल के भतीजे हैं और मुंबई में एनसीपी के अध्यक्ष भी हैं, ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने नांदगांव से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया है। नांदगांव विधानसभा शिंदे गुट के तहत आती है और वहां से पार्टी द्वारा सुहास कांडे को मौजूदा विधायक के रूप में उम्मीदवार बनाया गया है। यह घटनाक्रम महायुति में बढ़ते तनाव को दर्शाता है और राजनीतिक हलचल का संकेत देता है। समीर का यह कदम महाराष्ट्र की राजनीति में नई दिशा संजोने की कोशिश कर रहा है। महायुति में इस बगावत का असर आगामी चुनाव परिणामों पर पड़ सकता है।

- मुंबई एनसीपी के अध्यक्ष समीर भुजबल का इस्तीफा
- शिंदे गुट के प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय भरा पर्चा

क्यों नाराज हुए समीर भुजबल ?

दरअसल महायुति में सीट बंटवारे के मद्देनजर नांदगांव सीट एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पास है और शिंदे ने पहले ही मौजूदा विधायक सुहास कांदे को वहां से उम्मीदवार घोषित कर दिया है। दरअसल समीर भुजबल नांदगांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक थे और वह पार्टी से टिकट की मांग कर रहे थे।एनसीपी कार्यकर्ता समीर भुजबल के लिए यह सीट मांग रहे थे और एनसीपी कार्यकर्ताओं ने यह भी घोषणा की थी कि वह नांदगांव में सुहास कांदे के समर्थन में काम नहीं करेंगे। लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई और सीट बंटवारे के फॉर्मूले के तहत यह सीट एकनाथ शिंदे के खाते में चली गई। इसके बाद शिंदे ने यहां से अपनी पार्टी के मौजूदा विधायक सुहास कांदे को टिकट दे दिया।

पार्टी पदाधिकारियों को लिखा पत्र

पार्टी पदाधिकारियों को पत्र लिखकर समीर भुजबल ने कहा, करीब एक साल पहले आप सभी ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे मुंबई अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस जिम्मेदारी को निभाते हुए हम बहुत विपरीत परिस्थिति में हैं। संगठन को मजबूती से खड़ा किया। इसमें हमने जिला अध्यक्ष से लेकर बूथ तक संगठन को खड़ा किया। लेकिन नांदगांव में स्थिति बहुत खराब है। उन्होंने लिखा कि पिछले पांच सालों में इस विधानसभा क्षेत्र और यहां के नागरिकों का वातावरण बहुत प्रदूषित हो गया है। इस संबंध में नांदगांव के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और नागरिकों की एक बैठक हुई। नांदगांव में नागरिकों की बढ़ती मांग को देखते हुए मैंने चुनाव लड़ने का फैसला किया। मैं एनसीपी के मुंबई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं।

चाचा बनाम भतीजा रिटर्न्स!

बारामती सीट पर अजित पवार को टक्कर देंगे भतीजे युगेंद्र

दीपक पवार । मुंबई/बारामती

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का रण सज रहा है। इस चुनावी जंग में कई उम्मीदवार अपनों के खिलाफ मैदान में उतरने जा रहे हैं। महाराष्ट्र की बारामती विधानसभा सीट पर बेहद ही दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। इस सीट पर राज्य के उप मुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार खुद मैदान में उतरे हैं, तो दूसरी तरफ शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) ने इस जगह से युगेंद्र पवार को टिकट दिया है। युगेंद्र रिश्ते में शरद पवार के पोते लगते हैं जबकि अजित पवार के भतीजे हैं। यानी बारामती सीट पर शरद पवार का परिवार एक बार फिर से आमने सामने होगा। इस सीट पर लड़ाई चाचा बनाम भतीजे की होगी।

शरद पवार गुट ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शरद पवार गुट ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट का ऐलान कर दिया है। शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 45 उम्मीदवारों की घोषणा की। राकांपा (शरदचंद्र पवार) पार्टी ने बारामती विधानसभा क्षेत्र से अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। बारामती से राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने युगेंद्र पवार को उम्मीदवार घोषित किया है। इस लिस्ट में जयंत पाटिल, अनिल देशमुख, राजेश टोपे समेत कई बड़े नाम शामिल हैं। जयंत पाटिल इस्लामपुर से चुनाव लड़ेंगे। जितेंद्र आव्हाड मुंब्रा से चुनाव लड़ेंगे। अनिल देशमुख काटोल से चुनाव लड़ेंगे। रोहित पवार कर्जत जामखेड से और रोहिणी खडसे मुक्ताईनगर से चुनाव लड़ेंगी।

कौन हैं युगेंद्र पवार?

32 वर्षीय युगेंद्र दिग्गज नेता शरद पवार के पोते और अजित पवार के भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं। उन्होंने बोस्टन स्थित नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की डिग्री हासिल की है। युगेंद्र शरद पवार के करीबी रहे हैं और पवार के संरक्षण में अपने लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर रहे हैं। युगेंद्र शरद पवार द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के कोषाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान सुप्रिया सुले के लिए प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जबकि उनके पिता श्रीनिवास ने महायुति सरकार में शामिल होने और शरद पवार को छोड़ने के लिए अजित की खुलकर आलोचना की थी।

दोपहर स्पेशल | 14 राज्यों में हो रहा है उपचुनाव, मुख्यमंत्रियों के प्रभाव का भी होगा आकलन

उपचुनावों से भाजपा के मुख्यमंत्रियों का भी होगा टेस्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों के साथ देश के 14 राज्यों में हो रहे दो लोकसभा और 48 विधानसभा उपचुनावों को लेकर भाजपा बेहद गंभीर है। इन उपचुनावों के जरिए वह अपनी सत्ता और गठबंधन की सरकारों वाले राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्रियों का भी आकलन करेगी। राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में दस माह पहले बने मुख्यमंत्रियों के कामकाज का अहम टेस्ट होगा। वहीं, उत्तर प्रदेश, असम, गुजरात और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के प्रभाव का भी आकलन किया जाएगा।

सबसे ज्यादा नौ सीटों पर उत्तर प्रदेश में चुनाव

विधानसभा उपचुनाव में सबसे ज्यादा नौ सीटों पर उत्तर प्रदेश में चुनाव होना है। लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा को लगे झटके के बाद पार्टी इसे काफी गंभीरता से ले रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा और प्रभाव भी इससे जुड़ा है। मुख्यमंत्री खुद सभी सीटों की निगरानी कर रहे हैं। उपचुनावों के नतीजे राज्य में पार्टी की भावी राजनीति के लिए अहम माने जा रहे हैं। उत्तराखंड में बदरीनाथ सीट के उपचुनाव में हार के बाद अब केदारनाथ के उपचुनाव को लेकर पार्टी सतर्क है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। इसी तरह असम के पांच और गुजरात का एक उपचुनाव के नतीजों से भी वहां के मुख्यमंत्रियों के प्रभाव का आकलन किया जाएगा।

इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह उपचुनाव अहम

दस महीने पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल कर सरकारों में नए चेहरों को लाने के बाद यहां के मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह उपचुनाव एक अहम टेस्ट होंगे। राजस्थान में सात, मध्य प्रदेश में दो एवं छत्तीसगढ़ में एक सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व इन उपचुनावों से वहां के अपने मुख्यमंत्रियों व उपमुख्यमंत्रियों का आकलन करेगी। पार्टी नेतृत्व नए चेहरों को अहम पद देने के बाद अब उनसे परिणाम भी चाहता है। साथ ही आने वाले दिनों में बनने वाले नए संगठनात्मक ढांचे में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व ज्यादा सीटों वाले राज्यों में 70 फीसदी परिणाम अपेक्षित कर रहा है। 50 फीसदी से कम जीत को सत्ता वाले राज्यों के नेतृत्व के अनुकूल नहीं माना जाएगा।

एमवीए में सीट बंटवारे पर अंतिम समझौते की घोषणा आज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने गुरुवार को कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के सीट बंटवारे को लेकर अंतिम समझौते की घोषणा शुक्रवार सुबह की जाएगी। पटोले ने कहा कि पार्टी ने अपने उन कुछ उम्मीदवारों से नामांकन पत्र दाखिल करने को कहा है, जिन्हें 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए टिकट मिलना तय माना जा रहा है। कई दिन के गतिरोध के बाद विपक्षी गठबंधन ने बुधवार को घोषणा की थी कि कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) कुल 288 में से 85-85 सीट पर चुनाव लड़ेंगे तथा शेष के लिए बातचीत जारी है।

कुछ सीटों की अदला-बदली संभव

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा है कि गठबंधन के सहयोगी दल आपस में कुछ सीटों की अदला-बदली कर सकते हैं। साथ ही संकेत दिया कि उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है।

घर में चल रहा था सेक्स रैकेट

वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़

कस्टमर बनकर पहुंची थी पुलिस

दो महिलाएं गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई में एक ऐसा कांड सामने आया है, जिससे पुलिसवाले भी हैरान हैं। पुलिस ने नवी मुंबई के तलोजा इलाके से 2 महिलाएं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग वेश्यावृत्ति गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस ने बुधवार को रेड मारकर वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया। इसी एक्शन के तह एक बांग्लादेशी नागरिक समेत दो महिलाओं को दबोचा गया। पुलिस ने इसके लिए जाल बिछाया था। खुद पुलिसवाला ग्राहक बनकर उस जगह गया था, जहां मर्दों की खूब चहल-पहल थी।

एक बांग्लादेशी महिला को मुक्त भी कराया

पुलिस ने इस पूरे मामले को विस्तार से बताया है। पुलिस ने वैश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए मंगलवार को अभियान शुरू किया था। पुलिस ने रेड में एक बांग्लादेशी महिला को मुक्त भी कराया। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर पृथ्वीराज घोरपड़े के मुताबिक, नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) को एक गुप्त सूचना मिली थी। जैसे ही भनक लगी कि एक आवासीय इलाके में एक मकान में वेश्यावृत्ति गिरोह संचालित हो रहा है, पुलिस के कान खड़े हो गए। पुलिस ने इसके पर्दाफाश के लिए पूरी तरह जाल बिछाया। पुलिस ने एक टीम बनाई। इस टीम में से एक पुलिस वाला फर्जी ग्राहक उस जगह गया, जहां पर वैश्यावृत्ति हो रही थी। घर के बाहर पुलिस की टीम धाबा बोलने को तैयार थी। पुलिसवाला जैसे ही उस मकान पर गया, वहां उसे दरवाजे पर एक महिला मिली। पुलिस की टीम को हसीना मुशर्रफ खान (30) नामक एक महिला मिली, जो गिरोह की सरगना थी। जब पुलिस वाले ने अंदर झांका तो और भी लोग दिखाई दिए। इसके बाद तुरंत उसने अपनी टीम को इशारा भेजा और अलर्ट किया। इसके बाद पूरी टीम दौड़ पड़ी। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस टीम को यह भी पता चला कि ग्राहकों को सलिया सफीक खान (39) को डिजिटल तरीके से पैसे देने के लिए कहा जाता था। उन्होंने कहा कि इसके बाद दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़ी गई हसीना बांग्लादेश की जबकि दूसरी आरोपी कोलकाता की रहने वाली है। पुलिस के मुताबिक, मुक्त कराई गई महिला को मुंबई के चेंबूर स्थित सुधार गृह भेज दिया गया है। तलोजा पुलिस थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता समेत विभिन्न कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सेंचुरी कंपनी में श्रमिक की मौत

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

सेंचुरी रेयॉन कंपनी में पिछले वर्ष हुए भीषण दुर्घटना की याद अभी लोग भूले भी नही थे कि बुधवार दोपहर कैमिकल प्लांट में काम करते समय गिर जाने से एक मजदूर की मौत हो जाने की घटना सामने आयी है। उल्हासनगर के शहाड स्थित सेंचुरी रेयॉन कंपनी में एक कामगार राजकुमार पवार नामक (55 वर्ष) कैमिकल प्लांट में रोज की भांति काम पर आया था। काम करते समय अचानक व शेड से गिर गया। इस कारण उनके किडनी में गम्भीर चोट लग गयी और उसकी मौत हो गयी। इस बारे में सेंचुरी रेयान जनसंपर्क अधिकारी मेहुल ललका ने कहा कि राजकुमार पवार की मौत को लेकर हमें काफी दुःख है। हम इसकी जांच कर मौत के कारणों का पता लगा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सही स्थिति की जानकरी आने पर कंपनी द्वारा उचित निर्णय लिया जाएगा।

मुरबाड विधानसभा सीट

भाजपा के उम्मीदवार किसन कथोरे ने पांचवी बार भरा नामांकन

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राज्य में महायुति और महाविकास अघाड़ी के विभिन्न दलों द्वारा अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के बाद नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कड़ी में मुरबाड विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार किसन कथोरे ने गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की उपस्थिति में मुरबाड तहसील में चुनाव अधिकारी कार्यालय में अपना पर्चा दाखिल किया। नामांकन पत्र भरने से पहले कथोरे ने समर्थकों की भारी भीड़ के साथ बदलापुर से मुरबाड तक भव्य रैली निकालते हुए जमकर शक्ति प्रदर्शन किया।

कथोरे ने पांचवी बार दाखिल किया नामांकन

बता दें कि किसन कथोरे ने 2004 के चुनाव में अंबरनाथ से एनसीपी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था जिसमें उन्होंने शिवसेना के बड़े नेता साबिर शेख को हराया था। इसके बाद 2009 में हुए चुनाव में उन्होंने मुरबाड सीट से चुनाव लड़ा और एनसीपी के बागी और 4 बार विधायक रह चुके गोटीराम पवार को हराया। 2014 में वे बीजेपी में शामिल हो गए और इस साल व 2019 हुए चुनाव में मुरबाड से तीसरी और चौथी बार जीत दर्ज की। इस बार उन्होंने पांचवी बार नामांकन भरा है।

मुरबाड विधानसभा क्षेत्र की जनता विकास चाहती है : तावड़े

नामांकन पत्र भरने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय नेता विनोद तावड़े ने कहा कि मुरबाड विधानसभा क्षेत्र की जनता विकास चाहती है कथोरे ने इस क्षेत्र में विकास के कई काम किए हैं। उन्होंने कहा कि कथोरे ने यहां ग्रामीण क्षेत्र में केंद्र तथा राज्य सरकार की हर एक योजना को सफलतापूर्वक लागू करते हुए विकास कार्य किए हैं। इसलिए यहां की जनता कथोरे को चुनावों में भारी मतों से विजय बनाएगी। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार की रैली में समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद रही। इस भव्य रैली में पार्टी के कई नेता भी मौजूद रहे।

हॉर्न बजाने को लेकर विवाद

पिस्तौल तानकर जान से मारने की दी धमकी

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

डोंबिवली सागांव इलाके में हॉर्न बजाने को लेकर हुए विवाद में न सिर्फ कार का शीशा टूटा, बल्कि पिस्तौल तानकर जान से मारने की धमकी भी दी गयी। इस मामले में मानपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना के बाद तीन तलवारें, गावती कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

दो फरार, तलाश जारी

इस मामले में मानपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर नीर गुटेला और नितेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथी भाग गए हैं और पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों में से दो रिकॉर्ड पर अपराधी हैं और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

क्या है मामला ?

डोंबिवली पूर्व के सागांव इलाके के रहने वाले जनार्दन भोईर 20 अक्टूबर को अपनी पत्नी के साथ उसी इलाके से कार से घर लौट रहे थे। तभी कार के सामने दो लोग आये। तो उन्होंने कार का हॉर्न बजाया। इस हॉर्न को बजाने को लेकर जनार्दन भोईर और इन दोनों के बीच बहस हो गई। इसके बाद रात के समय विवाद करने वालों ने जनार्दन भोईर की कार के शीशे तोड़ दिये। जनार्दन भोईर के भाई नीलेश से अगली सुबह पूछताछ की गई क्योंकि दोनों परिचित थे। वे दोनों फिर नीलेश भोईर की बिल्डिंग में गए और नीलेश भोईर को बंदूक दिखाकर धमकाया। इसके बाद उसने नीलेश को जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान चिल्लाने पर दोनों भागने की कोशिश करने लगे। आसपास के नागरिकों ने दोनों को पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उस भवन में बैग की तलाशी लेने पर बैग से तीन तलवारें, गावती कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किये गये।

इतने सारे अनधिकृत काम कैसे हुए?

हाईकोर्ट ने नवी मुंबई नगर पालिका को लगाई फटकार

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने नवी मुंबई में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर नवी मुंबई नगर निगम के साथ-साथ सिडको और एमआईडीसी को भी फटकार लगाई है। दिए गए निर्देशों का अब तक पालन नहीं होने पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी कड़ी नाराजगी जताई है।

2018 में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश

मिली जानकारी के मुताबिक, 2018 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई नगर निगम, सिडको और एमआईडीसी को अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अब 2024 चल रहा है लेकिन अभी भी इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। इस वजह से बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाराजगी जताई है। साथ ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई नगर निगम, सिडको और एमआईडीसी को आदेश दिया है कि अगर वे अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं तो अदालत की अवमानना के तहत कार्रवाई करें। योजना अधिकारियों के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करने का यह आखिरी मौका होगा।

अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए एक विशेष टीम गठित करने का निर्देश

2015 में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए एक विशेष टीम गठित की जाए। लेकिन अभी तक एक भी टीम का गठन नहीं हो सका है। यह जानकारी मिलने के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने अधिकारियों की खिंचाई की है। उच्च न्यायालय ने पाया कि आईएएस अधिकारी रुचि नहीं रखते थे और अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करते थे। इस सबके लिए कौन जिम्मेदार है? इतने सारे अनधिकृत काम कैसे हुए?, जब निर्माण चल रहा था तो प्राधिकरण क्या कर रहा था? ऐसा सवाल हाईकोर्ट ने उठाया है। कोई भी कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है, किसी भी चीज पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इन सबके लिए नवी मुंबई नगर निगम जिम्मेदार है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नवी मुंबई कमिश्नर को चेतावनी देते हुए कहा है कि हम इस सब पर आंखें नहीं मूंद सकते। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नवी मुंबई नगर आयुक्त को हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।

44 साल पुराने शिवसैनिक ने दिया ठाकरे गुट से इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

कुछ दिन पहले ही उद्धव बालासाहेब ठाकरे की पार्टी में शामिल हुए दीपेश म्हात्रे को डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किया गया है। इस बात से खफा 44 साल पुराने शिवसैनिक और वर्तमान जिला प्रमुख सदानंद थरवल ने सीधे तौर पर उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखकर सवाल उठाया है कि हमारी वफादारी का फल क्यों ? और उन्होंने अपनी पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

65 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची में दीपेश म्हात्रे का नाम

उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने 65 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची की घोषणा की, जिसमें डोंबिवली से दीपेश म्हात्रे का नाम भी शामिल है। पुराने शिवसैनिक के रूप में जाने जाने वाले और वर्तमान में पार्टी में कल्याण लोकसभा जिला प्रमुख के रूप में महत्वपूर्ण पद पर रहने वाले सदानंद थरवल ने खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। वह यहीं नहीं रुके बल्कि उन्होंने एक पत्र के जरिए सीधे तौर पर पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। पूर्व शिवसैनिक जो आप और आदित्य साहब के बारे में बहुत घटिया बातें करता है, जिन्हें आप ढाई साल से गद्दार गद्दार कहते थे उन्ही को पार्टी में शामिल कर उम्मीदवार बनाया है, संघर्ष के दौरान हमेशा वफादार रहने वाला एक शिवसैनिक अगर उपेक्षित रह जाएगा, तो श्रीमान, वफादारी का क्या फल होगा ? ऐसा गंभीर सवाल उठाया है। साथ ही यह भी कहा कि वे बहुत कठोर मन से जिला प्रमुख पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं, थरवल ने अपनी मनोदशा ऐसे शब्दों में व्यक्त की है कि भविष्य में हमारी निष्ठा और विश्वास पर लोग हंसी उड़ाएंगे।

एक स्कूल में परिचारिका ने नाबालिग लड़के की पिटाई की

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक प्ले स्कूल की परिचारिका ने कथित तौर पर तीन साल के बच्चे की पिटाई की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले सप्ताह हुई इस घटना के संबंध में बच्चे के माता-पिता ने कपूरबावड़ी पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। सूत्रों के अनुसार, बच्चा सदमे में है और वह स्कूल भी नहीं गया। वीडियो में नजर आ रहा है कि परिचारिका बच्चे को कक्षा के एक कोने में ले जाकर उसकी पिटाई कर रही है। इस घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। कपूरबावड़ी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि वे शिकायत की जांच करेंगे।

बीजेपी का शक्ति प्रदर्शन

सुलभा गायकवाड ने कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र से भरा पर्चा

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

गोलीबार कांड के आरोपी बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड की पत्नी सुलभा गायकवाड के नामांकन पर्चा दाखिल के दौरान जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री विनोद तावड़े, मंत्री रविंद्र चव्हाण पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील रैली में शामिल हुए।

मंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री रैली में हुए शामिल

इस समय विनोद तावड़े ने विशाल जनसमर्थन को देखकर कहा कि इस सीट पर जीत अब पक्का है। तावड़े ने कहा कि जिस तरह से जनता का समर्थन भाजपा और सुलभा गायकवाड़ को मिल रहा है। इससे साफ है कि कल्याण पूर्व विधानसभा में जीत सुनिश्चित है। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए मंत्री रवींद्र चव्हाण ने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र में कई दशकों से सेना बीजेपी के साथ गठबंधन में है। विधायक गणपत गायकवाड़ का जनसंपर्क बहुत अच्छा है और सुलभा गायकवाड़ उनके नक्शेकदम पर चलते हुए यह चुनाव लड़ रही हैं, इसलिए उनकी जीत पक्की है। ढोल-ताशा, डीजे, चित्र रथ के साथ-साथ विभिन्न जातियों और धर्मों के ताल वाद्ययंत्रों की ध्वनि के बीच बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में शुरू हुई इस रैली में बड़ी संख्या में विधायक गणपत गायकवाड़ के समर्थक शामिल हुए।

पुणे मंडल में रेल चौपाल का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे मंडल में 02 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक विशेष अभियान 4.0 का आयोजन किया गया है। विशेष अभियान का उद्देश्य फाइलों की समीक्षा करके तथा अनावश्यक फाइलों को हटाकर लंबित मामलों को कम करना तथा कार्यस्थलों में कार्यकुशलता बढ़ाना है। इससे कार्यस्थल पर स्थान की उपलब्धता बढ़ती है।

अभियान के तहत पुणे मंडल के विभिन्न स्थानों पर रेल चौपाल का आयोजन किया गया, ताकि यात्रियों को स्टेशन, ट्रेनों की साफ-सफाई तथा स्वच्छता के बारे में शिक्षित किया जा सके। चौपाल के दौरान चौपाल संचालकों तथा यात्रियों के बीच संवाद स्टेशन तथा ट्रेन की साफ-सफाई में सुधार लाने में सहायक होता है। चौपाल संचालक यात्रियों को उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं के बारे में भी शिक्षित करते हैं।

पुणे स्टेशन, मिरज स्टेशन, शिवाजी नगर स्टेशन, शिवाजीनगर रेलवे कॉलोनी में आज तक रेल चौपाल का आयोजन किया गया। स्टेशन निदेशक तथा स्टेशन अधीक्षक, पुणे, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक, मुख्य माल पर्यवेक्षक, वाणिज्य, परिचालन विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग ने सफलतापूर्वक रेल चौपाल का आयोजन किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के उपलक्ष्य में 'नैतिकता और शासन' विषय पर प्रशिक्षण सत्र

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के उपलक्ष्य में, मध्य रेल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रतीक गोस्वामी के मार्गदर्शन में सतर्कता विभाग/मुख्यालय द्वारा 'नैतिकता और शासन' विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण सत्र के लिए, आईआईटी रुड़की से स्नातक और प्रमाणित संगठनात्मक विकास प्रशिक्षक हिमांशु विश्नोई को 'नैतिकता और शासन' विषय पर अपना व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। उक्त प्रशिक्षण सत्र में सभी मंडलों और कार्यशालाओं के अधिकारियों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नामित किया गया था, और इन सभी नामित अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया है।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान, अतिथि व्याख्याता श्री हिमांशु विश्नोई ने 'नैतिकता और शासन' के सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित अधिकारियों की सभी शंकाओं और प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया। उक्त प्रशिक्षण सत्र में बृजेश कुमार सिंह, अतिरिक्त डीआरएम, हेमंत जिंदल, उप सीवीओ/मुख्यालय, जितेंद्र पी. सिंह, सीनियर डीपीओ और मध्य रेलवे के सभी नामित अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा उम्मीदवार महेश चौगुले के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी पश्चिम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के कनेरी इलाके स्थित पुनित सागर बिल्डिंग के सामने महायुति, भाजपा उम्मीदवार महेश चौगुले के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े के हाथों किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कपिल पाटील, भाजपा शहर अध्यक्ष हर्षल पाटिल, पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी, पूर्व नगरसेवक नीलेश चौधरी, पूर्व नगरसेवक यशवंत चौधरी, पूर्व नगरसेवक नीलेश चौधरी सुमित पाटील, शामजी अग्रवाल, परवीन मिश्रा, कामिनी रविन्द्र पाटील, शिवसेना शिंदे गुट के भिवंडी शहर जिला प्रमुख सुभाष माने सहित कई गणमान्यवर और बड़ी संख्या में महिला व पुरुष मौजूद थे।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने दीप प्रज्वलन कर सभा का किया शुभारंभ

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने रिबन काट कर कार्यालय का उद्घाटन किया और दीप प्रज्वलन कर सभा का शुभारंभ किया गया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि मोदी सरकार ने देश की जनता के लिए विभिन्न परियोजना लागू किया है। जिसके तहत एक दशक से उक्त सभी योजना का लाभ हर जाती के लोगों को मिल रहा है। विनोद तावड़े ने महायुति के सभी पक्षों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से कहा कि जब से मोदी जी प्रधान मंत्री बने है उन्होंने एक भी दिन छुट्टी नहीं ली है। ठीक उसी तरह हम सभी को डोर टू डोर लगातार मेहनत कर इस चुनाव में महेश चौगुले को तीसरी बार भी भारी मतों से विजय कराना है।

दो बजे पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दोपहर

दीपावली की छुट्टी में शिक्षकों को प्रशिक्षण न देने की अपील

प्रशासन से नहीं मिल रहा जवाब

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी ड्यूटी के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई शिक्षक संगठनों ने मांग की है कि शिक्षकों ने महीनों पहले से परिवार के साथ छुट्टियों से जुड़े कार्यक्रम बना रखे हैं ऐसे में दीपावली की छुट्टी के दौरान शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए। इस पर प्रशासन की ओर से अब तक कोई आश्वासन न मिलने से शिक्षक परेशान हैं क्योंकि ऐन वक्त पर छुट्टियां रद्द होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

महाराष्ट्र शिक्षक परिषद ने की ये मांगें

महाराष्ट्र शिक्षक परिषद ने मुंबई उपनगर के जिला चुनाव निर्णय अधिकारी को पत्र लिखकर अपनी मांगों से अवगत कराया है। संगठन के कार्यवाह शिवनाथ दराडे ने कहा कि इस बार पहले से ही दीपावली की छुट्टी के दिन कम हैं और 28 अक्टूबर से 9 नवंबर तक ही दीपावली की छुट्टी है। ऐसे में इन छुट्टियों में भी अगर चुनावी प्रशिक्षण होंगे तो शिक्षक अपने परिवार के साथ वक्त कब बिताएंगे। ज्यादातर शिक्षकों का गांव दूर है ऐसे में उन्होंने महीनों पहले ट्रेन, बसों में परिवार के साथ बुकिंग करा रखी है। ऐन मौके पर बुकिंग रद्द करने पर उन्हें आर्थिक नुकसान भी होगा। दराडे ने कहा कि शिक्षक चुनावी ड्यूटी से इनकार नहीं कर रहे हैं बस प्रशिक्षण देने का समय अटपटा न चुना जाए। संगठन ने यह भी मांग की है कि महिला कर्मचारियों को उनके घर से आसपास ही चुनावी ड्यूटी पर लगाया जाए क्योंकि नियमों के बावजूद उनके लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती।

'बेरोजगार युवाओं को चुनाव का काम सौंपे'

मुंबई मुख्याध्यापक संगठन उत्तर विभाग के अध्यक्ष अनिल बोरनारे ने भी चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मांग की है कि ज्यादातर शिक्षक गांव जाने की तैयारी कर चुके हैं ऐसे में दीपावली की छुट्टी के दौरान उन्हें प्रशिक्षण न दिया जाए। उन्होंने मांग की है कि शिक्षकों के बजाय बेरोजगार युवाओं को चुनावी ड्यूटी पर लगाया जाए। इसके अलावा संगठन की ओर से यह भी मांग की गई है कि 50 वर्ष से ज्यादा आयु के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी, बीमार, दिव्यांग, गर्भवती महिला कर्मचारियों को भी चुनावी ड्यूटी पर न लगाया जाए साथ ही पढ़ाई प्रभावित न हो इसलिए स्कूल के सिर्फ 30 फीसदी स्टाफ को चुनावी ड्यूटी पर लगाया जाए।

फिल्म के खिलाफ मालेगांव विस्फोट मामले के आरोपी ने दाखिल किया आवेदन

मुंबई। मालेगांव विस्फोट मामले के आरोपी समीर कुलकर्णी ने फिल्म 'मैच फिक्सिंगः द नेशन एट स्टेक' के खिलाफ विशेष एनआईए अदालत में आवेदन दाखिल किया है और फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि फिल्म मालेगांव विस्फोट मामले पर आधारित है और मुकदमा अभी खत्म नहीं हुआ है। इसलिए अदालत को 15 नवंबर को फिल्म की रिलीज पर रोक लगानी चाहिए। अदालत ने अभियोजन पक्ष से इस पर जवाब दाखिल करने को कहा है और मामले को दीवाली की छुट्टी के बाद पांच नवंबर को सुनवाई के लिए रखा है।

चुनावी मैदान में जरांगे उतारेंगे उम्मीदवार

नामांकन के आखिरी दिन जारी करेंगे सूची

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि अगले हफ्ते नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि वे अपने उम्मीदवार को किन सीटों से चुनावी मैदान में उतारेंगे। तब तक मराठा समुदाय के कई उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। किस उम्मीदवार को किस सीट से उतारा जाएगा इसका फैसला बाद में किया जाएगा। बता दें कि जरांगे मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

नामांकन के आखिरी दिन जारी करेंगे उम्मीदवारों की सूची

रविवार को जरांगे ने घोषणा की कि वे विधानसभा चुनाव में उन निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार उतारेंगे, जहां समुदाय की मजबूत पकड़ है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 22 अक्तूबर से शुरू हो चुकी है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 29 अक्तूबर है। पत्रकारों से बात करते हुए जरांगे ने कहा, ₹अब तक कई मराठा उम्मीदवार अपना नामांखन दाखिल कर सकते हैं। हम कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, इस पर हम चर्चा करेंगे, लेकिन आज हम कुछ भी घोषित नहीं करेंगे। हम पहले उनके उम्मीदवारों (सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी पार्टी महाविकास अघाड़ी) की सूची देखना चाहते हैं।₹ जरांगे ने आगे कहा, ₹हमारी तरफ से प्रत्येक क्षेत्र से नामांकन भरा गया है। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में हम चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लेंगे, वहां से हमारे उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले लेंगे। लेकिन हमने जिन निर्वाचन क्षेत्र में लड़ने का फैसला लिया है, वहां हमारा एक उम्मीदवार होगा। नामांकन के आखिरी दिन सीटों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों के नामों की घोषणा होगी।₹

विधानसभा चुनाव के लिए इच्छुक उम्मीदवारों के साथ जरांगे ने की बैठक

गुरुवार को जरांगे विधानसभा चुनाव के लिए इच्छुक उम्मीदवारों से जिलेवार बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में जहां से हमने लड़ने का निर्णय लिया है, वहां से एक उम्मीदवार के नाम की घोषणा की जाएगी। हम उम्मीद करते हैं कि सभी हमारे इस पैसले को मानेंगे। अगर किसी ने ऐसा नहीं किया तो वह गरीब मराठा समुदाय के सपनों को नष्ट कर रहा है। हम अन्य समुदाय से भी उम्मीदवार उतारेंगे। मैं 25 से 27 अक्तूबर तक चुनाव जीतने का फॉर्मुला तैयार करूंगा। मैंने ओबीसी और मुस्लिम समेत अन्य समुदाय से भी बात की।₹ बता दें कि महाराष्ट्र में एक चरण में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने वाला है। नतीजे 23 नवंबर को जारी होंगे।

अनिल देशमुख की किताब 'डायरी ऑफ ए होम मिनिस्टर' पर बीजेपी ने कसा तंज

मुंबई। एनसीपी 'शरद पवार' के नेता और राज्य के गृह मंत्री रहे अनिल देशमुख ने जेल यात्रा पर किताब लिखी है। इसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा, हर हेडलाइन के पीछे एक कहानी छिपी होती है। मेरी राजनीतिक आत्मकथा में छिपी चौंकाने वाली सच्चाई और खुलासे जानिए। देश की राजनीति में हलचल मचाने वाली मेरी किताब का कवर पेज शेयर कर रहा हूं। अनिल देशमुख की इस किताब का नाम है 'डायरी ऑफ ए होम मिनिस्टर'। उनकी किताब पर बीजेपी ने तंज कसा है। बीजेपी ने कहा कि ये दाग छिपाने की कोशिश है। बीजेपी के नेता राम कदम ने कहा कि चुनाव आ गया है, इसलिए अपने दागी चेहरे को छिपाने के लिए साजिश के तहत ये किताब लाई जा रही है।

ये दागी चेहरा नहीं धुलेगा : राम कदम

राम कदम ने कहा, पूरे देश ने देखा कि गृह मंत्री रहते हुए कैसे 100 करोड़ की वसूली कराई जा रही थी। ये दागी चेहरा नहीं धुलेगा। ट्रांसफर पोस्टिंग के नाम पर भी वसूली की गई। इनके पास चेहरा नहीं है। इसलिए दागी चेहरे को छिपाने के लिए ऐसे कृत्य कर रहे हैं।

वसूली के गृह मंत्री को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं

शिवसेना शिंदे गुट ने भी देशमुख पर हमला बोला है। कहा कि वसूली के गृह मंत्री को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। जिस व्यक्ति के गृह मंत्री रहते 100 करोड़ रुपये की वसूली की जा रही हो, ऐसे व्यक्ति को बहुत ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है।

मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 7.69 करोड़ का सोना

तस्करी कर लाया गया था कुवैत से

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो यात्रियों से 7.69 करोड़ रुपये मूल्य का 9.14 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को ये जानकारी दी है। एक खास टिप के आधार पर, डीआरआई कर्मियों ने बुधवार को जयपुर से मुंबई की उड़ान से फर्जी पहचान के साथ यात्रा कर रहे दो यात्रियों को रोका। एक अधिकारी ने बताया कि उनके सामान की जांच करने पर 9.1487 किलोग्राम विदेशी मूल के सोने से भरे तीन पैकेट बरामद हुए।

मामला दर्ज

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान यह पता चला कि सोना कुवैत से तस्करी कर लाया गया था और उन्होंने इसे एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान से बरामद किया था जिसमें इसे छुपाया गया था।उन्होंने कहा, आरोपियों ने डोमेस्टिक रूट पर फ्लाइट से तस्करी का सोना कलैक्ट किया था। अधिकारी ने बताया कि जांच में यह भी पाया गया कि दोनों यात्री फर्जी पहचान के साथ यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

पश्चिम रेलवे
विद्युत कार्य

वरिष्ठ डीईई/पी/बीसीटी, मुंबई सेंट्रल, पश्चिम रेलवे, आमंत्रित करता है, **ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल-81-36-391-डब्ल्यूए-19, दिनांक: 21.10.2024. कार्य और स्थान:** वलसाड विद्युत (पावर) कार्य, 700 x 15 मीटर प्लेटफॉर्म, एप्रोच रोड, हाई मास्ट, संबद्ध सुविधाओं के साथ श्रमिक विश्राम कक्ष, फर्नीचर और जल निकासी के प्रावधान के संबंध में. **अनुमानित कार्य की लागत:** 50,79,948/-.**ईएमडी:** 1,01,600/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 18.11.2024, 15:00 बजे तक. खुलने की तिथि और समय: 18.11.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं.

0656

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

नवाब मलिक को टिकट नहीं, सिर्फ सना मलिक की रहेगी उम्मीदवारी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। कई राजनीतिक दलों ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, महायुति गठबंधन की गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर पर बैठक हुई। इस बैठक में एनसीपी की ओर से अजित पवार और शिवसेना की ओर से एकनाथ शिंदे शामिल हुए। सूत्रों से जानकारी मिली है कि नवाब मलिक की उम्मीदवारी का बीजेपी ने विरोध किया है। दरअसल, नवाब मलिक कई मामलों में जेल में सजा काट चुके हैं, इसी कारण उम्मीदवारी खारिज कर दी है। दाऊद से रिलेटेड संपत्ति के मामले में भी नवाब मलिक पर ईडी ने कार्रवाई की थी। नवाब मलिक को एनसीपी की ओर से उम्मीदवार बनाया जाने वाला था। सिर्फ सना मलिक की ही उम्मीदवारी रहेंगी।

बैठक में हुए अहम फैसले

इसके अलावा, सोलापुर के मालशिरस से बीजेपी के एमएलए राम सातपुते उम्मीदवार नही होंगे। वहां दूसरा चेहरा दिया जाएगा। वहीं, महायुति में बगावत पर बीजेपी एक्शन मोड में है। अमित शाह ने अजित पवार और एकनाथ शिंदे को सलाह दी है "ध्यान रखना कि बागी खड़े न हों"। महायुति में कोई भी दल बागियों को खड़ा नहीं करेगा। तीनों को एक साथ चुनाव लड़ने के निर्देश भी दिए गए।

इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार से मुलाकात कर 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे से संबंधित मुद्दों को सुलझाया। सूत्रो ने बताया कि सीट बंटवारे पर चर्चा अब मुंबई में होगी और फार्मूले की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी नौ फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष किराये पर नौ फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग ने जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी की।

1. ट्रेन संख्या 09021/09022 उधना-भावनगर स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09021 उधना-भावनगर स्पेशल हर सोमवार को उधना से 22.05 बजे रवाना होगी और अगले दिन 08.45 बजे भावनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन 28 अक्टूबर, 2024 से 30 दिसंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09022 भावनगर-उधना स्पेशल हर मंगलवार को भावनगर से 19.00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 07.10 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 29 अक्टूबर, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक चलेगी।

2. ट्रेन संख्या 09011/09012 उधना - गया - वडोदरा स्पेशल

ट्रेन संख्या 09011 उधना- गया स्पेशल शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 को उधना से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 07.00 बजे गया पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09012 गया- वडोदरा स्पेशल रविवार, 27 अक्टूबर 2024 को 10.00 बजे गया से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे वडोदरा पहुंचेगी।

3. ट्रेन संख्या 09003/09004 वापी-दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09003 वापी-दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 को वापी से 12.55 बजे रवाना होगी और अगले दिन 08.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09004 दिल्ली-वापी स्पेशल शनिवार, 26 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली से 11.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 09.30 बजे वापी पहुंचेगी।

4. ट्रेन संख्या 09461/09462 अहमदाबाद - दानापुर स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09461 अहमदाबाद- दानापुर स्पेशल हर शनिवार को अहमदाबाद से 08.25 बजे रवाना होगी और अगले दिन 16.50 बजे दानापुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 अक्टूबर, 2024 से 16 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09462 दानापुर - अहमदाबाद स्पेशल हर रविवार को दानापुर से 21.55 बजे रवाना होगी और मंगलवार को 07.10 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2024 से 17 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

5. ट्रेन संख्या 09403/09404 अहमदाबाद - बनारस स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09403 अहमदाबाद- बनारस स्पेशल हर मंगलवार को अहमदाबाद से 22.40 बजे रवाना होगी और गुरुवार को 04.05 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन 29 अक्टूबर, 2024 से 12 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09404 बनारस- अहमदाबाद स्पेशल हर गुरुवार को बनारस से 07.15 बजे रवाना होगी और अगले दिन 18.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर, 2024 से 14 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

6. ट्रेन संख्या 09467/09468 अहमदाबाद- जयनगर स्पेशल

ट्रेन संख्या 09467 अहमदाबाद- जयनगर स्पेशल शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 को अहमदाबाद से 16.35 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 07.30 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09468 जयनगर-अहमदाबाद स्पेशल रविवार, 27 अक्टूबर, 2024 को 10.30 बजे जयनगर से रवाना होगी और मंगलवार को 01.15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

7. ट्रेन संख्या 09445/09446 साबरमती-लखनऊ स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09445 साबरमती-लखनऊ स्पेशल प्रत्येक बुधवार को साबरमती से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.50 बजे लखनऊ पहुंचेगी।

यह ट्रेन 30 अक्टूबर, 2024 से 27 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09446 लखनऊ-साबरमती स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को लखनऊ से 23.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.30 बजे साबरमती पहुंचेगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर, 2024 से 28 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

8. ट्रेन संख्या 09115/09116 वडोदरा - गया स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09115 वडोदरा- गया स्पेशल मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 को वडोदरा से 00.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे गया पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09116 गया- वडोदरा स्पेशल बुधवार, 30 अक्टूबर 2024 को गया से 10.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे वडोदरा पहुंचेगी।

9. ट्रेन संख्या 09597/09598 राजकोट - गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक)

ट्रेन संख्या 09597 राजकोट-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक बुधवार को राजकोट से 15.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

यह ट्रेन 30 अक्टूबर, 2024 से 27 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09598 गोरखपुर-राजकोट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 23.30 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी और शनिवार को 10.00 बजे राजकोट पहुंचेगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर, 2024 से 28 नवंबर, 2024 तक चलेगी।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण

SRA/CO/OW/ 2024 /57610 सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा., मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सहा. नि/ टे.सी. 6/ सन 2024 दिनांक : 24.10.2024

-: नोटीस :-

राज राजेश्वरी एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो.), सीटीएस नं. ६३८ व ६३९, पेस्तम सागर रोड नं. ०४, चेंबूर, मुंबई - ४०० ०८९ या संस्थेचे सक्षम प्राधिकारी तथा भूव्यवस्थापक / मुंबई मंडळ व उपजिल्हाधिकारी (अति/निष्का), चेंबूर - १ यांनी निर्गमित केलेले असून सदरील परिशिष्ट - २ मध्ये पात्र असणा या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक १७/१०/२०२४ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्याअनुषंगाने या नोटीसव्दारे पात्र झोपडीधारकांच्या नाव आरक्षणाबाबतची सभा रविवार **दि. १०/११/२०२४ रोजी सकाळी १०.०० वाजता स्थळ:- चांद्रसेनीय कायस्थ प्रभू समाज, प्लॉट नं. १७, पेस्टत सागर, ५ वा रस्ता, चेंबूर, मुंबई - ४०००८९ येथे** आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे.

-: सभेचे विषय :-

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणा या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करून घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

सही/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी,श्रेणी-1, झोपुप्रा, मुंबई

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : 24/10/2024

सुचना :

* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

अ.क्र.	वेळ	विषय
१)	सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून २ तास	मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे.
२)	१५ मिनिटे	आलेल्या अर्जांची छाननी करणे.
३)	१५ मिनिटे	नामनिर्देशन पत्र परत घेणे.
४)	१५ मिनिटे	पॅनलची मागणी करणे.
५)	पुढील अर्धातास	चिन्ह वाटप करणे.

* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
* मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
* विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभा अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
* सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट - २ मधील पात्र झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
* मंजूर परिशिष्ट - २ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
* संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
* सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
* मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.

संपादकीय

पंजाब में फसल विविधीकरण ही अंतिम समाधान

पंजाब में धान की भरपूर पैदावार के बाद किसानों का हैरान-परेशान होना व्यवस्था की विसंगतियों व तंत्र की नाकामी को ही दर्शाता है। राज्य की अनाज मंडियों में धान बहुतायत में पड़ा होना न केवल खरीद एजेंसियों की अक्षमता को दर्शाता है बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों में व्यावहारिक तालमेल न होना भी बताता है। जिसके चलते विपणन से जुड़े हितधारक विरोध जता रहे हैं। विडंबना देखिए कि किसान खून-पसीने से उगायी फसल को भी समय पर नहीं बेच पाने से परेशान हैं। किसान धीमी खरीद प्रणाली से चिंतित हैं। वहीं चावल मिल मालिकों की दलील है कि उनके पास अतिरिक्त भंडारण की क्षमता नहीं है। दूसरी ओर धान की खरीद से जुड़े आढ़ती अपने कमीशन को बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से ये हालात किसानों को परेशान करते हैं और खरीद प्रणाली में सुधार की जरूरत को बताते हैं। विडंबना है कि यह सारा हंगामा एक ऐसी फसल को लेकर हो रहा है, जिसको उगाने में प्रयुक्त पानी ने राज्य में एक गंभीर जल संकट को जन्म दे दिया है। वजह है धान की फसल की पैदावार बढ़ाने के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन। फलतः राज्य का एक बड़ा इलाका मरुस्थलीकरण की ओर उन्मुख है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल उठता है कि पंजाब आखिर कब तक धान की खेती के जरिये अपने इन अनमोल प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात करता रहेगा? इसमें दो राय नहीं है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर सुनिश्चित खरीद पंजाब के धान उत्पादकों को केंद्रीय पूल में अधिक अनाज के योगदान के लिये प्रेरित करती रही है। निस्संदेह, हरित क्रांति के बाद देश की खाद्य सुरक्षा श्रृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब का बड़ा योगदान रहा है। जिसके चलते देश खाद्यान्न संकट व कुपोषण के अभिशाप से किसी हद तक मुक्त हो सका है। जबकि एक हकीकत यह भी है कि यह फसल पंजाब का मुख्य भोजन नहीं रही है। निश्चित तौर पर केंद्र व राज्य सरकार को तालमेल बनाकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में लबालब भरे अन्न भंडार राज्य की अपेक्षाओं और केंद्र की आवश्यकताओं के बीच तालमेल के अभाव को दर्शाते हैं। विडंबना देखिये, इसी धान के उत्पादन का एक प्रतिप्रभाव यह भी है कि पंजाब के हिस्से में प्रदूषण बढ़ाने वाला पराली दहन का आक्षेप आता है। जिसे उत्तर क्षेत्र में अक्तूबर-नवंबर में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण का प्रमुख घटक बताया जाता रहा है। जबकि हकीकत यह है कि एक तो किसानों को पराली निस्तारण का कारगर विकल्प केंद्र व राज्य सरकारें नहीं दे पायी हैं। वहीं दूसरी ओर किसानों के पास रबी की फसलों की बुआई के लिये अधिक समय नहीं बचा होता। जिसके चलते उनको पराली जलाने के अलावा दूसरा कारगर विकल्प नजर नहीं आता। बहरहाल, इस चौतरफा संकट के बीच यह स्पष्ट हो गया है कि पंजाब में धान की खेती की समाप्ति के लिए चरणबद्ध तरीके से बहुप्रचारित फसल विविधीकरण योजना को अविलंब लागू किया जाना चाहिए। इस योजना के क्रियान्वयन में देरी कई तरह के संकटों को बढ़ावा ही देगी। यह एक हकीकत है कि लंबे समय तक किसानों का धान की ही खेती करना, राज्य के लिये घातक ही साबित होगा। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर चले आंदोलन से कोई सबक नहीं सीखा। हालिया घटनाक्रम से किसानों की वह आशंका बलवती हो रही है कि केंद्र सरकार लंबे समय तक धान की खरीद को जारी नहीं रखना चाहती। दरअसल, कुछ चुनिंदा फसलों के लिये ऊंची एमएसपी की घोषणा अन्य फसलों के उत्पादन के लिये किसानों को प्रेरित करने हेतु पर्याप्त नहीं है। जितनी जल्दी हो सके, केंद्र सरकार को मक्का और दाल जैसी फसलों की एमएसपी पर खरीद के लिये एक मजबूत व्यवस्था बनानी होगी। ऐसे में धान की खेती के लिये किसानों को हतोत्साहित करने से जमीनी स्तर पर बड़ा बदलाव आ सकता है।

बदलते वक्त के साथ समीकरणों में बदलाव

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बाद अब महाराष्ट्र और झारखंड के लिए भी चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए पहली बार छह असरदार राजनीतिक दल एक तरह से बराबरी के साथ चुनावी समर में उतरेंगे। इसलिए, यहां पर राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतना तय है महाराष्ट्र में महामुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। समंदर की लहरें जिस तेजी से बदलती हैं, पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से देश की आर्थिक राजधानी में राजनीति की लहरें उससे ज्यादा तेजी से बदली हैं। किसे पता था कि 2019 में भाजपा-शिवसेना गठबंधन में चुनाव लड़ने और बहुमत से 16 सीटें ज्यादा हासिल करने के बावजूद मिलकर सरकार नहीं बना पाएंगे। राजनीति के 'सत्ता-सुख' के सिंहासन पर कोई और ही आरूढ़ हो जाएगा।

महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना और एनसीपी एक अलग ताकत थी। तब जनता ने शिवसेना को 56 और एनसीपी को 54 सीटें दी थीं। भाजपा 105 सीटें लेकर सबसे बड़ा दल बनकर उभरी थी, लेकिन सरकार बनने से पहले ही उद्धव ठाकरे ने अप्रत्याशित रूप से पाला बदल लिया। उद्धव ने विपरीत विचारधारा वाली कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई और खुद सीएम बने। इतने दशकों की राजनीति के बाद पहली बार ठाकरे परिवार से कोई सीएम की कुर्सी तक पहुंचा था। लेकिन राजनीति में पासे हमेशा अपने पक्ष में नहीं पड़ते। सत्ता संभालने के बाद इतनी उठापटक मची कि उद्धव और शरद पवार दोनों के ही सारे समीकरण बदल गए।

महाराष्ट्र की सत्ता उद्धव ठाकरे के हाथ में आने के बाद उन्हें भाजपा से बड़ी चुनौती अपनी ही पार्टी शिवसेना से मिली। वर्ष 2022 में शिवसेना के वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने खुलेआम बगावत कर दी। दरअसल, एकनाथ शिंदे पार्टी के उन नेताओं में शामिल रहे, जो 2019 में ही कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने के खिलाफ थे। तभी से वे बड़े राजनीतिक मौके की फिराक में थे। मई, 2022 में ऐसा अवसर उनके हाथ में आया। गुवाहाटी फाइव स्टार होटल में शिंदे ने 42 शिवसेना और 7 निर्दलीय विधायकों के साथ फोटो जारी कर शक्ति-प्रदर्शन किया। इसी बीच राज्यपाल ने उद्धव को बहुमत सिद्ध करने के लिए कह दिया। उधर शिंदे को बागी खेमे ने शिव सेना विधायक दल का नेता घोषित किया। 29 जून, 2022 को उद्धव ठाकरे के सीएम पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे के अंदर शिंदे ने सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने

हरीश मलिक

डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ले ली। महाराष्ट्र की पिक्चर अभी भी बाकी थी। अब बारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में बगावत और टूट की थी। 10 जून, 2023 को एनसीपी के 25वें स्थापना दिवस पर शरद पवार ने पार्टी के दो कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले के नामों की घोषणा की। अजित पवार को लेकर शरद से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो नेता विपक्ष का पद संभाल रहे हैं। अजित को लगा कि चाचा शरद पवार ने उन्हें साइड लाइन कर दिया है। इसके बाद 2 जुलाई, 2023 को अजित ने 41 विधायकों के साथ महायुति से नाता जोड़ा और शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बन गए। वर्ष 2019 में जब विधानसभा के चुनाव हुए तो महाराष्ट्र में मुख्य रूप से 4 पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना मैदान में थीं। पिछले 5 साल में एनसीपी और शिवसेना के दो-दो धड़े बन चुके हैं। यानी 2024 चुनाव में 6 बड़ी पार्टियों और दो अलायंस के बीच महामुकाबला होगा- बीजेपी, शिवसेना (शिंदे), एनसीपी (अजित), कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव), एनसीपी (शरद)। पार्टियों के समीकरणों के साथ राज्य में वोटर्स के आंकड़े भी बदले हैं। महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या 9.53 करोड़ पर पहुंची है। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ और बीजेपी को करारा झटका लगा। राज्य की 48 सीटों में से एनडीए 17 सीटों पर सिमट गई, इसमें बीजेपी के खाते में मात्र 9 सीटें आईं। वहीं कांग्रेस ने 13, शिवसेना (उद्धव) ने 9 और एनसीपी (शरद) ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की। सबसे खस्ता हालत अजित पवार की हुई, जिनकी पार्टी को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट को 288 विधानसभा सीटों के आधार पर देखें तो आंकड़े और दिलचस्प नजर आएंगे। ये बताते हैं कि अजित पवार की एनसीपी केवल 6 विधानसभा सीटों पर जीती। भाजपा को 23 सीटों का नुकसान हुआ और महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 63 सीटें जीती। नतीजे ये संकेत देते हैं कि त्रिशंकु या गठबंधन सरकार फिर महाराष्ट्र की मजबूरी बनने वाली है। हालांकि, हरियाणा का हाल देखकर कांग्रेस अब फूंक-फूंककर कदम रखेगी। पर महाविकास अघाड़ी गठबंधन में सबसे ज्यादा 63 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस आगे थी। यानी लोकसभा चुनाव तक मोमेंटम कांग्रेस के पास था। अब पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती विधानसभा चुनाव में इस मोमेंटम को बरकरार रखना है। विशेषज्ञ मानते हैं कि विधानसभा चुनाव में कुछ तो बदलाव होंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकल और रीजनल मुद्दों पर हो रहा है। लोकसभा चुनाव में दोनों अलायंस का वोट शेयर लगभग बराबर था। जो मोमेंटम महाविकास अघाड़ी ने आम चुनाव के दौरान हासिल किया था, वो अब पहले जैसा एग्रेसिव नहीं है। वहीं महायुति की सरकार ने लाडली बहन योजना शुरू की। सरकारी कर्मचारियों को बोनस व एससी कमीशन को संवैधानिक दर्जा दे दिया। क्रीमी लेयर का दायरा बढ़ाया। राजनीति की हवा का रुख कब क्या हो जाए, ये हाल ही में हुए हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम में परिलक्षित होता है।

जीवन मंत्र

स्वामी विवेकानंद

दुख से कोई अछूता नहीं

विवेकी पुरुष देखते हैं कि मनुष्य सारा जीवन मृगजल के पीछे दौड़ता रहता है और कभी अपनी वासनाओं को पूर्ण नहीं कर पाता।

इस संसार में, जिनमें भी विवेक-शक्ति है, जिनमें थोड़ी सी भी अंतर्दृष्टि है, वे यह आसानी से जान लेते हैं कि सुख और दुख आपस में मानो गुथे हुए हैं, एक ही दूसरे में परिणत हो जाता है और इनसे संसार में कोई भी अछूता नहीं रहता। ये सबके पास आते हैं। विवेकी पुरुष देखते हैं कि मनुष्य सारा जीवन मृगजल के पीछे दौड़ता रहता है और कभी अपनी वासनाओं को पूर्ण नहीं कर पाता।

एक समय महाराज युधिष्ठिर ने कहा था, 'जीवन में सबसे आश्चर्यजनक घटना तो यह है कि हम प्रतिक्षण प्राणियों को काल-कवलित होते देखते हैं, फिर भी सोचते हैं कि हम कभी नहीं मरेंगे।' चारों ओर मूर्खों से घिरे रहकर हम सोचते हैं कि हम ही एकमात्र पंडित हैं। चारों ओर सब प्रकार के अस्थायी अनुभवों से घिरे रहकर हम सोचते हैं कि हमारा प्यार ही एकमात्र स्थायी प्यार है। यह कैसे हो सकता है? प्यार भी स्वार्थ से भरा है। योगी कहते हैं, अंत में हम देखेंगे कि दोस्तों का प्रेम, संतान का प्रेम, यहां तक कि पति-पत्नी का प्रेम भी धीरे-धीरे क्षीण होकर नाश को प्राप्त हो जाता है।' नाश ही इस संसार का धर्म है- यह किसी भी वस्तु को अछूता नहीं रखता। जब मनुष्य संसार की समस्त वासनाओं में निराश हो जाता है, तब क्षण भर के लिए यह भाव स्फुरित होता है कि यह संसार भी कैसा भ्रम है!

ऐसा कोई महात्मा नहीं हुआ, जिन्हें अपनी महानता पाने के लिए इंद्रिय-सुख और भोग त्यागना न पड़ा हो। दुख का कारण है, प्रकृति की विभिन्न शक्तियों का आपस में विरोध। प्रत्येक शक्ति अपनी-अपनी ओर खींचती है, और इसीलिए स्थायी सुख असंभव हो जाता है।

जीवन ऊर्जा

पेड्रो मार्टिनेज : जन्म - 25 अक्टूबर 1971 — जन्म

बड़े सपने देखें और विफल होने की हिम्मत करें

पेड्रो मार्टिनेज एक प्रसिद्ध डोमिनिकन बेसबॉल पिचर हैं, जिन्होंने मेजर लीग बेसबॉल (MLB) में शानदार करियर बनाया। पेड्रो मार्टिनेज का जन्म 25 अक्टूबर 1971 को हुआ था। उन्हें तीन बार साइ यंग अवार्ड मिला है और वे 1999 में वर्ल्ड सीरीज़ चैंपियन बने। उनकी उत्कृष्ट पिचिंग तकनीक और प्रतिस्पर्धी भावना ने उन्हें बेसबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शामिल किया।

सफलता सिर्फ इस बात पर नहीं है कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करते हैं; यह इस पर भी है कि आप दूसरों को क्या प्रेरित करते हैं। एक अच्छे पिचर का प्रमाण सिर्फ यह है कि आप स्ट्राइक डालते हैं। जब कोई और आप पर विश्वास नहीं करता, तो आपको खुद पर विश्वास करना होगा। मेहनत उस प्रतिभा को हरा देती है जो मेहनत नहीं करती। स्ट्राइक आउट होने के डर को आपको खेल खेलने से नहीं रोकना चाहिए। दबाव तब महसूस होता है जब आप नहीं जानते कि आप क्या कर रहे हैं। मैं प्रतिस्पर्धा के लिए पैदा हुआ था। मैं हार मानने वाला नहीं, मैं एक लड़ाकू हूँ। आप अपनी गलतियों से सीखते हैं, लेकिन आपको उन्हें करने के लिए तैयार होना चाहिए। दूसरों की राय की

आवाज आपको अपनी आंतरिक आवाज को दबाने नहीं देनी चाहिए। मैं खुद को एक सकारात्मक प्रभाव के रूप में देखता हूँ। मैं ऐसा व्यक्ति बनना चाहता हूँ, जिसे अन्य लोग देख सकें। प्रतिभा एक उपहार है, लेकिन इसे चमकदार बनाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। बड़े सपने देखें और विफल होने की हिम्मत करें। आप किसी चीज पर सीमा नहीं लगा सकते। जितना आप सपने देखेंगे, उतना ही आगे बढ़ेंगे। मैंने अपने करियर की चिंता नहीं की; मैं बस सबसे अच्छा बनना चाहता था। सफलता का रास्ता हमेशा निर्माणाधीन रहता है। अपने भविष्य की भविष्यवाणी करने का सबसे अच्छा तरीका उसे बनाना है। सफलता के लिए भूखे रहो, जीत में विनम्र रहो। आपको खुद से अपेक्षाएँ रखनी होंगी, तब आप उन्हें पूरा कर सकेंगे। बेसबॉल में, आपको विफलता का सामना करना आना चाहिए।सफलता अंतिम नहीं है; विफलता घातक नहीं है: यह आगे बढ़ने का साहस है जो मायने रखता है।विश्वास करें कि आप कर सकते हैं, और आप आधे रास्ते पर हैं।

प्रेरक प्रसंग

असफलता का डर

असफलता का डर इतना बड़ा होता है, कुछ लोग अपनी मंजिल की ओर कदम ही नहीं बढ़ा पाते हैं। आपको जब भी लगे कि आपका आत्मविश्वास डगमगा रहा है, तो अपने आपसे यही सवाल पूछें कि अगर सफल नहीं हुए तो ज्यादा से ज्यादा बुरा क्या हो सकता है? साथ ही यह भी सोचें कि अगर जीत गए तो? जिस पल दिलो-दिमाग बुरे के लिए तैयार होंगे, समझ जाइए उसी पल आधी जीत तो पक्की हो गई। यही बात हमारी आज की कहानी में भी बताई गई है। एक हास्य कलाकार रेडियो स्टेशन में काम करता था। उसका प्रोग्राम काफी लोकप्रिय था। एक दिन उसके पास एक अखबार से फोन आया कि वे उसपर लेख लिखना चाहते हैं। इंटरव्यू पूरा हुआ तो उससे पूछा गया कि आप आगे क्या करने की सोच रहे हैं? तब तक उसने अपने भविष्य के बारे में कुछ भी नहीं सोचा था। एकदम से उसके मुंह से निकला कि मैं सबसे तेज बोलने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहता हूं। अखबार में अगले दिन वह लेख छपा और इत्तेफाक से उसी दिन शाम को उसके पास एक अन्य शो का ऑफर आया। शो के संचालक चाहते थे कि उसी रात उनके प्रोग्राम पर वह शख्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करे। वह व्यक्ति बड़ी कशमकश में फंस गया था। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह हां करे या ना करे। उसने पहले कभी शो का नाम नहीं सुना था। बताया गया कि वह नेशनल टेलीविजन का बड़ा शो था। किसी के लिए भी यह जिंदगी का ऐसा मौका था, जो दोबारा नहीं मिलने वाला था।

कुछ देर सोचने के बाद उसने शो के संचालक को अपनी सहमति दे दी। फोन रखने के साथ ही वह सोच में पड़ गया कि मैं शो पर क्या करूंगा। वह घबराया हुआ था और उत्साहित भी। रात 8 बजे गाड़ी उसे लेने आ गई। वह पूरे रास्ते अभ्यास करता रहा। पर स्टूडियो में पहुंचने पर उसकी बोलती बंद हो गई। उसके मन में कई सवाल उमड़ रहे थे कि अगर मैं रिकॉर्ड न तोड़ पाया तो? यहां भी सबसे बुरा क्या हो सकता है, यह कि मैं नेशनल टेलीविजन पर एक मूर्ख जैसा लगूंगा और इसके उलट मैंने रिकॉर्ड तोड़ दिया तो। मन में इन सवाल-जवाबों के बीच वह परीक्षा की उस घड़ी में कूद गया। शो खत्म होने तक वह 1 मिनट में 585 शब्द बोलकर सबसे तेज बोलने वाला पुरुष बन चुका था।

शख्सियत

एम. एन. वेंकटाचलिया

भारतीय न्यायपालिका के एक प्रतिष्ठित न्यायाधीश

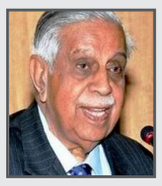

एम. एन. वेंकटाचलिया का जन्म 25 अक्टूबर 1929 को कर्नाटक के एक छोटे से गाँव में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय विद्यालयों से प्राप्त की और बाद में बैंगलोर विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने कानून की पढ़ाई पूरी की और कर्नाटक उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की।

एम. एन. वेंकटाचलिया ने अपने करियर की शुरुआत एक वकील के रूप में की, जहाँ उन्होंने बहुत जल्द ही अपने कौशल और ज्ञान के लिए पहचान बनाई। वे 1987 से 1989 तक भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे। इसके अलावा, उन्होंने 1991 में भारत के 24वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया।

वेंकटाचलिया का संविधान और न्यायपालिका के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में निर्णय दिए, जो भारतीय न्याय व्यवस्था में मील का पत्थर साबित हुए। उनकी न्यायिक दृष्टि और निर्णय लेने की क्षमता ने उन्हें भारतीय न्यायपालिका के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक बना दिया।

1999 में, उन्होंने सिफारिश की कि भारतीय संविधान में 73वें और 74वें संशोधन को लागू करने के लिए एक विधि आयोग की आवश्यकता है, जिसके परिणामस्वरूप पंचायत राज और नगर निकायों में सुधार हुआ। इसके अलावा, उन्होंने कई महत्वपूर्ण कानूनों और न्यायिक सुधारों का समर्थन किया।

वेंकटाचलिया एक कुशल वकील, न्यायाधीश और न्यायपालिका के संरक्षक रहे हैं। उनके निर्णय और विचार हमेशा न्याय, समानता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहे। वे कानून के प्रति अपनी गहरी समझ और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। एम. एन. वेंकटाचलिया का नाम भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। उनकी उपलब्धियों और न्याय के प्रति समर्पण ने उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्ति बना दिया है, जो न केवल न्यायपालिका के लिए बल्कि समाज के लिए भी एक आदर्श हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

शरीर को प्रबल रखना चाहिए, जिससे स्नान और व्रत में विघ्न न आए

(भाग 1)

महर्षि व्यास जी के जीवन में नंदी द्वारा भुज स्तम्भित होने के बाद परिवर्तन आया। वे लगातार काशी में रहते हुए परम आदर पूर्वक भगवान महेश का स्तवन करने लगे। वे प्रतिदिन मणिकर्णिका स्नान और विश्वनाथ दर्शन करने लगे। निर्वाण (मोक्ष) मंडप जो गर्भगृह के पास था वहीं बैठकर शिष्यों को भगवान शिव और काशी की महिमा सुनाते थे। वे कहते थे-इस क्षेत्रमें जो भी कर्म किया जाता है। वह प्रलय काल में भी नष्ट नहीं होता। अतः यहां केवल श्रेयकर्म करना चाहिये। काशी में कभी भी मर्म वचन नहीं बोलना चाहिए। यहाँ रहकर मरण की आकांक्षा, मोक्ष की आकांक्षा या शरीर शोषण उपाय को नहीं सोचना चाहिए। शरीर को प्रबल रखना चाहिये, जिससे स्नान और व्रत में विघ्न न आये। व्यासजी अपने दश हजार शिष्यों के साथ गंगा में त्रि-स्नान करके शिव जी की आराधना करते हुए काशी में काल व्यतीत करने लगे। भगवान शिव ने उनकी परीक्षा लेने का उपक्रम किया। उन्होंने महादेवी अन्नपूर्णा से कहा -- देवी, आप सर्वगते हैं। उसी भाव से सभी में प्रविष्ट होकर व्यास को भिक्षा देने से मना कर दीजिए। व्यास जी को शिष्यों के साथ भिक्षा कहीं नहीं

मिली। रात्रि में उपवास करना पड़ा। दूसरे दिन भी किसी ने उनके शिष्यों को और उन्हें भिक्षा नहीं दी। थके हारे व्यास जी ने दूसरे दिन। विचार किया - क्या कारण है जो भिक्षा नहीं मिल रही है। उन्होंने कतिपय शिष्यों को बुला कर कहा- तुम लोग जाकर भिक्षा न मिलने का कारण पता करो। आज दो दिन हो गये भिक्षा नहीं मिली। क्या काशी में अन्न क्षय हो गया है? क्या सभी नगरवासियों को राजदण्ड मिल गया है? क्या किसी ने ईर्ष्या से हमारे लोगों की भिक्षा बंद की है? क्या कोई गुप्त रोग फैल गया है? शिष्यों ने जाकर पता किया और आकर महर्षि से कहा --

न अन्न की कमी हुई है न कोई रोग और संकट ही उत्पन्न हुआ है। सभी के घर समृद्धि भरी पड़ी है। अलका नगरी की समृद्धि भी काशी के सामने न्यून है। यहां भोग और मोक्ष दोनों लक्ष्मी उपस्थित हैं। यहां विद्या, लक्ष्मी और मोक्ष का त्रिक फैला है--

विद्यानां चाश्रयः काशी
काशी लक्ष्म्याः परालयः ।
मुक्तिक्षेत्रमिदं काशी

काशी सर्वा त्रयीमयी ।।९६/२३

भगवान स्कन्द अगस्त्य मुनि से कहते हैं -- शिष्यों के मुख से इतना सुनते ही व्यास जी क्रोधान्ध लोचन हो गये। उन्होंने भूख की अग्नि से पीड़ित होकर कहना आरम्भ किया। यहाँ के लोग विद्या, धन और मुक्ति के मद से ग्रस्त हैं। अतः मैं काशी को शाप देता हूँ-- यहां काशी में लोगों की तीसरी पीढ़ी को विद्या, धन और मुक्ति की प्राप्ति न हो--

मा भूत त्रै पुरुषी विद्या मा भूत
त्रै पुरुषं धनम् ।
मा भूत त्रै पुरुषी मुक्तिः
काशीं व्यासः शपन् इति।।

शाप भी दिया और क्रोध पूर्वक भिक्षा मांगने भी निकले। फिर भी भिक्षा नहीं मिली तो क्रोध में भिक्षा पात्र को फेंक दिया। आश्रम लौटते समय एक दरवाजे पर एक स्त्री ने व्यास जी से कहा आजकल अतिथि नहीं मिलते। मेरे पति अतिथि सत्कार किये बिना भोजन नहीं करते। अतः आप शीघ्र मेरे घर भोजन हेतु पधारें। इतना सुनते ही व्यास जी का क्रोध शांत हो गया। व्यास जी ने कहा आज से पूर्व कभी आप मुझे काशी में दिखी नहीं।आप सिंधु से निकली लक्ष्मी की तरह दिख रही हैं। अथवा आप स्वयं काशी की अधिष्ठात्री देवी हैं अथवा आप स्वयं भवानी भवनाशिनी हैं उस स्त्री ने कहा कि मैं एक साधारण स्त्री हूँ।

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

मूर्ति में बदलाव पर सुको बार असोसिएशन ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'न्याय की देवी' वाली प्रतिमा में बदलाव किए गए। प्रतिमा पर लगी आंखों से पट्टी हटा दी गई है। वहीं, हाथ में तलवार की जगह भारत के संविधान की कॉपी रख दी गई है। हालांकि, यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को रास नहीं आई। पुरानी मूर्ति पर किए गए बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आपत्ति जाहिर की। बार एसोसिएशन का कहना है कि प्रतिमा में बदलाव किए जाने से पहले हमारे सदस्यों से किसी भी तरह का परामर्श नहीं किया गया।

जगन रेड्डी ने बहन शर्मिला के खिलाफ NCLT में दायर की याचिका

हैदराबाद। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अपनी बहन और आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला पर बड़ा आरोप लगाया। बता दें कि उन्होंने एनसीएलटी में याचिका दायर की है जिसमें कहा गया है कि उनके और उनकी पत्नी भारती के स्वामित्व वाली सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज के शेयरों को शर्मिला ने अवैध रूप से अपने और अपनी मां विजयम्मा के नाम पर स्थानांतरित कर लिया है।

ताहिर हुसैन ने यूएपीए मामले में दलील पेश की

नई दिल्ली। दिल्ली हिंसा मामले में आरोपी ताहिर हुसैन के वकील ने गुरुवार को कड़कड़डूमा कोर्ट में दलील पेश की। वकील ने कहा कि सरकार की नीति के खिलाफ बोलना देश के खिलाफ तब तक नहीं कहा जा सकता, जब तक कि यह देश की अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता के लिए हानिकारक न हो। अदालत में आरोप तय करने पर बहस चल रही है। यह मामला यूएपीए अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। हुसैन के वकील राजीव मोहन ने अपनी दलीलें पेश कीं।

फिलीपींस में बाढ़ ने ली 23 और लोगों की जान

मनीला। फिलिपींस में गुरुवार को उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और कई कारें बह गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण कई लोग फंस गए और कुछ लोगों ने घरों की छतों पर शरण ली, जिन्हें बचाने के लिए अधिकारियों को मोटरबोट की मदद लेनी पड़ी। देश के उत्तरपूर्वी प्रांत इसाबेला में मध्यरात्रि के बाद उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी ने दस्तक दी। तूफान के प्रभाव से इफुगाओ के पर्वतीय प्रांत के एगुइनाल्डो शहर में सुबह के समय 95 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तेज हवाएं चलीं। सरकारी मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार, हवाओं का रुख पश्चिम की दिशा में है और इसके दक्षिण चीन सागर में प्रवेश करने का अनुमान है। बिकोल और क्यूजोन, नागा शहर प्रांत तूफान से बुरी तरह प्रभावित हैं। बाढ़ ने सबसे ज्यादा तांडव इन्हीं क्षेत्रों में मचाया है। अधिकारियों ने कहा कि दर्जनों लोग लापता है, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

रेलवे चलाएगा सात हजार छठ और दिवाली स्पेशल ट्रेन

केंद्र सरकार ने दी रेल परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली/मुंबई। रेलवे त्योहार पर यात्रियों को सुरक्षित सफर कराने के लिए सात हजार दिवाली और छठ स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। गुरुवार को कैबिनेट बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गई। केंद्रीय रेल और सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस फैसले से रोज दो लाख यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा बैठक में दो बड़ी रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

वेंचर कैपिटल फंड को मंजूरी

कैबिनेट बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना को भी मंजूरी दी।

कृष्णा नदी पर बनेगा 3.2 किमी लंबा नया पुल

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहली रेल परियोजना के तहत अमरावती के लिए एक रेलवे लाइन को मंजूरी दी गई है। इसके लिए कृष्णा नदी पर 3.2 किमी लंबा नया रेलवे पुल बनाया जाएगा। यह अमरावती को हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और नागपुर से जोड़ेगा। इसके साथ ही उत्तर बिहार को उत्तर पूर्वी राज्यों से जोड़ने के लिए नरकटियागंज - रक्सौल - सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढी - मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन का दोहरीकरण किया जाएगा। 4553 करोड़ रुपये की लागत से 256 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का दोहरीकरण होने से उत्तर प्रदेश और उत्तर बिहार को फायदा होगा। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढी-मुजफ्फरपुर खंड के दोहरीकरण से नेपाल, पूर्वोत्तर भारत और सीमावर्ती क्षेत्रों से कनेक्टिविटी मजबूत होगी और मालगाड़ी के साथ-साथ यात्री ट्रेनों की आवाजाही में सुविधा होगी। वहीं 57 किमी लंबी नई रेल लाइन एर्रुपलेम-अमरावती-नंबुरु आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा और गुंटूर जिलों और तेलंगाना के खम्मम जिले से होकर गुजरेगी। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के आठ जिलों को कवर करने वाली 6,798 करोड़ की इन रेल परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क 313 किमी तक बढ़ेगा। साथ ही नौ नए स्टेशनों के साथ लगभग 168 गांवों और लगभग 12 लाख आबादी को लाभ मिलेगा। इसके अलावा 31 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा। रेलवे के मुताबिक नई लाइन के प्रस्ताव से आंध्र प्रदेश के अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

उत्तर रेलवे ने की थी 3050 ट्रेनें चलाने की घोषणा

हाल ही में त्योहार को देखते हुए उत्तर रेलवे ने ही 3050 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी। इनमें से अधिकांश ट्रेनें ऐसी हैं जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों की ओर दौड़ेंगीं। इस बार चलाई जा रहीं ट्रेनें पिछले साल के मुकाबले 172 फीसदी ज्यादा हैं। उत्तर रेलवे ने पिछले साल 1082 विशेष ट्रेनें चलाई थीं।

एलडीएफ और भाजपा उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

वायनाड। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए एलडीएफ उम्मीदवार सत्यन मोकेरी और भाजपा की नव्या हरिदास ने गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल किया। भाकपा नेता मोकेरी ने नामांकन दाखिल करने के लिए कलेक्ट्रेट तक रोड शो किया। उनके साथ भाकपा के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम और पार्टी की वरिष्ठ नेता एनी राजा समेत कई नेता मौजूद थे। भाजपा की हरिदास ने भी पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मानम राजशेखरन की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। इस सीट के लिए बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपना नामांकन दाखिल किया था।

फिर 85 विमानों में बम की धमकी

छानबीन के बाद धमकियों को फर्जी करार दिया गया

11 दिनों में 250 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली। विमानों को बम से उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को एक बार फिर 85 फ्लाइट्स को धमकी मिली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें एअर इंडिया की 20, इंडिगो की 20, विस्तारा की 20 और अकासा की 25 फ्लाइट्स शामिल हैं।

अकासा एयर ने बयान जारी कर कहा- आज हमारी कुछ फ्लाइट्स में सिक्योरिटी अलर्ट मिला। एयरलाइन की रिस्पॉन्स टीमें लोकल अथॉरिटी के साथ सेफ्टी और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को फॉलो कर रही हैं। आज ही गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डाबोलिम) और गोवा के ही मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को आज हाई अलर्ट पर रखा गया।

एविएशन सेक्टर को 600 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

इन एयरपोर्ट्स पर लैंड होने वाली 4 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली थी। इसके बाद दोनों एयरपोर्ट्स के लिए बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी (BTAC) का गठन किया गया। पिछले 11 दिनों में 255 से ज्यादा विमानों में बम की धमकियां मिल चुकी हैं। इससे एविएशन सेक्टर को 600 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है।

धमकियों को लेकर केंद्र सरकार के 4 एक्शन

एयर मार्शल की संख्या दोगुनी: केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या दोगुनी करने का फैसला किया। इसी दिन गृह मंत्रालय ने फर्जी धमकियों को लेकर एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी। CISF, NIA और IB को भी रिपोर्ट देने को कहा गया। एयरलाइंस के CEOs के साथ बैठक: ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) ने 19 अक्टूबर को सभी एयरलाइंस के CEOs के साथ बैठक की। इसमें झूठी धमकियों से निपटने पर चर्चा की गई। साथ ही यात्रियों की असुविधा और एयरलाइंस के नुकसान पर भी बात हुई। DGCA प्रमुख को हटाया: केंद्र ने 19 अक्टूबर को DGCA चीफ विक्रम देव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया। इस बदलाव को धमकी वाले मामलों से जोड़कर देखा गया।

तीन महीने में खाद्य तेल की कीमतों में 20 रुपए तक की बढ़ोतरी

सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेल सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली तेल की कीमतों में दर्ज की गई बढ़ोतरी

खाद्य तेल के साथ आलू, प्याज और टमाटर के दाम भी तेजी से बढ़े

केंद्रीय बैंक ने अपनी रिपोर्ट में किया तुलनात्मक अध्ययन

नई दिल्ली। सब्जियों के साथ खाद्य तेल की कीमतों में भी अब उछाल देखने को मिल रहा है। बीते दो महीनों में इनमें औसत कीमतों में 20 रुपये प्रतिकिलोग्राम तक की वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा सरसों तेल में करीब 25 रुपये प्रतिकिलोग्राम तक की वृद्धि दर्ज की गई है। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तरफ से जारी मासिक रिपोर्ट में उन उत्पादों का विशेष तौर पर उल्लेख किया गया है, जिनकी कीमतों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है। रिपोर्ट बताती है कि सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। देश में अधिकांश घरों में खाना बनाने के लिए सरसों और मूंगफली के तेल का इस्तेमाल होता है। इसके बाद सूरजमुखी के तेल का नंबर आता है। कीमतों में उछाल से साफ है कि इनका असर रसोई के बजट पर भी पड़ रहा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि अगस्त से सितंबर के बीच कीमतों में सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है। अक्टूबर 2022 में सरजमूखी और सरसों तेल की कीमतें करीब 175 रुपये प्रतिकिलोग्राम के स्तर तक पहुंची थी और मूंगफली का तेल भी 190 रुपये रुपये के स्तर पर था लेकिन दो वर्ष के बाद सरसों तेल अक्टूबर 2022 के स्तर पर पहुंच गया है तो वहीं मूंगफली का तेल भी अब करीब 200 रुपये प्रतिकिलोग्राम के स्तर पर है।

तीन सब्जियों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

खाद्य तेल के साथ ही रिपोर्ट में उन सब्जियों का भी जिक्र किया गया है, जिनकी कीमतें बीते कुछ महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। अगस्त से अक्टूबर के बीच आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में काफी तेजी आई है। प्याज की कीमतें अक्टूबर 2023 के बाद सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली है। अक्टूबर 2023 में प्याज की कीमतें 100 रुपये तक पहुंची थी और अब एक बार फिर से सितंबर और अक्टूबर के बीच उस आंकड़े को छुआ है। जबकि टमाटर की कीमतें जुलाई-अगस्त 2023 के बाद नए स्तर पर पहुंची है। उस वक्त टमाटर की कीमतें देश के कई हिस्सों में 100 रुपये के पार चली गई थीं और अब सितंबर-अक्टूबर में भी उसी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची हैं।

वर्षो में मंडी के थोकभाव

अवधि	आलू	प्याज
सितंबर 2022	2000	1800
सितंबर 2024	3062	4486

नोट - कीमतें रुपये प्रति क्विंटल में हैं।

बीते दिन महीने में सब्जियों की कीमतें

	अगस्त	अक्टूबर
टमाटर	40	70
आलू	50	60
प्याज	80	105

नोट- कीमतें रुपये प्रतिकिलोग्राम में हैं।

पानी की टंकी गिरी, 5 मजदूरों की मौत

- पुलिस का दावा- प्रेशर के कारण टंकी की दीवार टूटकर मजदूरों पर गिरी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में गुरुवार सुबह मजदूरों के कैंप बनी टेम्परेरी पानी की टंकी गिर गई। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। 7 घायलों में से 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना पिंपरी चिंचवाड़ टाउनशिप के भोसरी इलाके में हुई, जब कुछ मजदूर पानी की टंकी के नीचे नहा रहे थे। पुलिस का कहना है कि शायद पानी के दबाव के कारण पानी की टंकी की दीवार फट गई, जिससे टंकी गिर गई। इससे वहां मौजूद मजदूर मलबे में फंस गए।

जमीन से 12 फीट ऊपर थी पानी की टंकी

रिपोर्ट्स के मुताबिक पानी की टंकी नई बनाई गई थी। यह जमीन से 12 फीट ऊपर थी। सुबह मजदूर काम पर जाने से पहले नहाने के लिए टंकी के पास लगे नल पर आए। तभी अचानक टैंक फट गया और नहाने आए मजदूर उसके नीचे फंस गए। मजूदरों के इस कैंप में बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों के करीब 1000 से 1200 मजदूर रह रहे हैं। कुछ मजदूर चार-पांच दिन पहले ही आए हैं।

अडाणी ग्रुप के प्रोजेक्ट पर काम करते थे मजदूर

NCCL अडाणी ग्रुप लांडेवाडी में काम कर रहा है। ये मजदूर उस जगह पर काम कर रहे थे. वे सुबह 8 बजे काम पर निकल जाते हैं। इसलिए वे नहाने के लिए पानी की टंकी के पास पहुंचे थे। इस जगह पर एक समय में 20 से 25 मजदूरों के लिए एक साथ नहाने का इंतजाम किया गया था। यहां 60 मोबाइल टॉयलेट भी लगाए गए। सुबह जब घटना हुई तो 20 से 25 मजदूर नहाने गए थे।

'भानुमती का पिटारा नहीं खोलना चाहते...'

बुलडोजर एक्शन के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी । नई दिल्ली

यूपी, उत्तराखंड और राजस्थान में हाल ही में हुए कुछ बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दाखिल एक याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया। कोर्ट में याचिका नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वुमेन नाम की संस्था ने दाखिल की थी। यूपी के वकील ने बताया कि जिस कार्रवाई की बात इस याचिका में की गई है, वह फुटपाथ को घेरकर हुए निर्माण पर की गई। उन्होंने कहा, ऱयाचिकाकर्ता एनजीओ का मामले से कोई संबंध नहीं है, उन्होंने सिर्फ अखबार पढ़कर याचिका दाखिल कर दी।

बहराइच बुलडोजर एक्शन SC हुआ था सख्त

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में हाल ही में हुए सांप्रदायिक दंगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया था। बहराइच हिंसा के आरोपियों ने याचिका में कहा था कि यूपी सरकार का बुलडोजर एक्शन संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि प्रशासनिक अधिकारियों की कार्रवाई बिना पूर्व सूचना और बिना उचित कारण के की जा रही है। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश की सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करना चाहती है तो यह उनकी मर्जी है।

'ऐसे मुकदमों को सुनने लगे तो आ जाएगी बाढ़'

जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने इससे सहमति जताते हुए कहा कि मामले के किसी प्रभावित पक्ष की याचिका सुनी जा सकती है। अगर अखबार पढ़ कर याचिका दाखिल करने वालों को सुनने लगे तो मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने 17 सितंबर 2024 को डिमोलिशन यानी बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाई थी। कोर्ट का कहना था कि सार्वजनिक अतिक्रमण पर ही सिर्फ बुलडोजर एक्शन होगा। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद कोर्ट ने यह बात कही थी।

एस जयशंकर की UN सिक्योरिटी कांउसिल में सुधार की मांग

कजान। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार(24 अक्टूबर) को रूस के कजान में ब्रिक्स प्लस की बैठक में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था को और अधिक न्यायसंगत बनाने के लिए स्थापित संस्थाओं में सुधार आवश्यक है। रूस के कज़ान में आयोजित 16वें ब्रिक्स सम्मेलन में बोलते हुए, जयशंकर ने कहा, ₹ब्रिक्स इस बात का संकेत है कि पुरानी व्यवस्था में गहरा बदलाव आ रहा है। इसके साथ ही, कई पुरानी असमानताएं अभी भी बनी हुई हैं और नई चुनौतियों का रूप ले रही हैं।

त्रिशूर में 75 करोड़ का 104 किलोग्राम सोना जब्त

त्रिशूर। सोने के व्यापार के लिए मशहूर त्रिशूर में केरल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अधिकारियों ने स्वर्ण आभूषण निर्माण इकाइयों पर छापेमारी की। टीम ने यहां बेहिसाबी 104 किलोग्राम सोना जब्त किया, जिसका बाजार मूल्य 75 करोड़ रुपये है। इस अभियान को 'टोरे डेल ओरो नाम दिया गया है जिसे राज्य में अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान माना जाता है। यह नाम एक स्पेनिश शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है 'सोने की मीनार।

78 स्थानों पर छापेमारी

बुधवार शाम शुरू हुआ यह अभियान गुरुवार को भी जारी रहा। इस दौरान 700 से अधिक अधिकारियों ने पूरे मध्य केरल जिले में विनिर्माण इकाइयों और जौहरियों के घरों सहित लगभग 78 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि राज्य जीएसटी विभाग की खुफिया शाखा पिछले छह माह से आभूषण निर्माताओं द्वारा की जा रही कथित जीएसटी धोखाधड़ी की जांच कर रही है। अधिकारियों ने 104 किलोग्राम सोना जब्त करने के अलावा बिलिंग और कराधान प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण अनियमितताएं पाईं।

120 किलोग्राम सोना जब्त

इससे पहले, सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान बेहिसाबी 120 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। जीएसटी के विशेष आयुक्त अब्राहम रेन एस के नेतृत्व में यह व्यापक छापेमारी की गई। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर के अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बहाने त्रिशूर बुलाया गया।

खबर संक्षेप

एसीबी ने खाद्य विभाग के अधिकारी के ठिकानों पर छापा मारा

उदयपुर। गुरुवार सुबह, एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीमों ने उदयपुर के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के संभागीय उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी जयमल सिंह राठौड़ के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। जांच में राठौड़ की करोड़ों की संपत्ति का पता चला, जिसमें उदयपुर और राजसमंद में होटल, रिसोर्ट, भूखंड, मकान और लग्जरी वाहन शामिल हैं। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरा ने बताया कि जयमल सिंह राठौड़ के खिलाफ गोपनीय शिकायत मिली थी, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने राजकीय सेवा में रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में मिली जानकारी के आधार पर, उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है।

भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

सिरोही। गुरुवार सुबह राजस्थान के सिरोही जिले में एक स्विफ्ट डिजायर कार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में कार में सवार पांच परिवार के सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सभी लोग फलोदी के खारा गांव के निवासी थे और गुजरात से लौट रहे थे। हादसा सारणेश्वर पुलिया से सारणेश्वर मंदिर के बीच हुआ, जब कार का अगला टायर अचानक फट गया। इससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए नाले में गिर गई। सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी, एसपी अनिल कुमार बेनीवाल और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायल महिला का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, लेकिन उनकी हालत गंभीर नहीं बताई जा रही है। मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

अवैध शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार

अजमेर। अजमेर की कोतवाली थाना पुलिस ने सूटकेस में अवैध शराब ले जाते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी गुजरात से हैं और अवैध तरीके से अंग्रेजी शराब लेकर जा रहे थे। जिला पुलिस अधीक्षक वन्दिता राणा ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सभी थानाधिकारियों को निर्देश दिए थे। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। थानाप्रभारी वीरेंद्र सिंह शेखावत के अनुसार, अतिरिक्त एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ और सीओ रूद्रप्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। आरोपियों की पहचान नितिन नरसी चावड़ा (22) और चाणपा नरसी (25) के रूप में हुई है।

प्रॉपर्टी डीलर संजय यादव की हत्या: नई जानकारी आई सामने

दोस्तों पर हत्या का आरोप, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी । गाजियाबाद

प्रॉपर्टी डीलर संजय यादव की हत्या के मामले में नए खुलासे सामने आए हैं। मंगलवार को संजय यादव की आखिरी बातचीत उनके पार्टनर कौशल सोनी से दोपहर 2:50 बजे हुई थी। इसके बाद, उनका मोबाइल बंद हो गया। शाम 5:30 बजे के बाद मोबाइल ऑन हुआ, लेकिन किसी ने कॉल नहीं उठाया। परिवार और सहयोगी उनके लोकेशन का पता लगाने की कोशिश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

कुत्ते के पट्टे से गला दबाकर हत्या

जांच के दौरान खुलासा हुआ कि संजय यादव के दोस्तों ने पहले उनके साथ बीयर पी और फिर उनकी सोने की चेन, ब्रेसलेट, अंगूठी और नकदी लूट ली। विरोध करने पर कुत्ते के पट्टे से गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। आरोपियों ने शव को संजय की कार में रखकर आग लगा दी। घटना दादरी कोतवाली क्षेत्र के नंगला नैनसुख गांव के पास हुई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

शव की पहचान और गिरफ्तारी

पुलिस ने शव की पहचान नेहरूनगर निवासी संजय यादव के रूप में की और उनके परिजनों को सूचना दी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपियों—विशाल राजपूत और जीत चौधरी—को गिरफ्तार कर लिया। दोनों गाजियाबाद में रह रहे थे। पूछताछ के दौरान, उन्होंने हत्या की साजिश रचने और लूटपाट की बात कबूल की।

आरोपियों ने चार घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की कोशिश

हत्या के बाद आरोपी दिनभर शव को ठिकाने लगाने का मौका ढूंढते रहे और रात में सुनसान जगह पर पेट्रोल डालकर कार में आग लगा दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए गहने, नकदी और हत्या में प्रयुक्त कुत्ते का पट्टा बरामद कर लिया है।

हत्या के पीछे साजिश और लूटपाट

आरोपियों ने हत्या की पूरी योजना पहले से बना रखी थी। विशाल राजपूत और जीत चौधरी ने बताया कि संजय यादव हमेशा अपने साथ मोटी रकम और सोने के आभूषण रखते थे, जिसे हड़पने के इरादे से उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए उन्होंने संजय की फॉर्च्यूनर कार का इस्तेमाल किया। वे पहले अंधेरा होने का इंतजार करते रहे ताकि शव को सुरक्षित तरीके से ठिकाने लगा सकें। आरोपियों ने पेट्रोल निकालकर कार में आग लगाई और खुद वहां से फरार हो गए। पुलिस ने कार से जलते हुए शव को बरामद किया और जांच के दौरान साजिश का खुलासा हुआ।

यूपी विधानसभा उपचुनाव

बीजेपी ने सात सीटों पर उम्मीदवारों का किया ऐलान

एजेंसी । लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इस दौरान पार्टी ने सात सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया, जबकि कुछ सीटों पर अभी भी उम्मीदवारों का फैसला बाकी है। करहल सीट से अनुजेश यादव को मिला टिकट मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट, जिसे समाजवादी पार्टी (सपा) का गढ़ माना जाता है, पर बीजेपी ने अनुजेश यादव को टिकट दिया है। सपा ने इस सीट पर तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाया है, जो मुलायम सिंह यादव के परिवार से जुड़े हैं। गाजियाबाद से संजीव शर्मा होंगे बीजेपी प्रत्याशी गाजियाबाद विधानसभा सीट पर बीजेपी ने संजीव शर्मा को उम्मीदवार घोषित किया है। यह सीट सांसद बनने के बाद अतुल गर्ग के इस्तीफे के कारण खाली हुई है।

कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर को मौका मुरादाबाद की कुंदरकी सीट मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है, जहां बीजेपी ने रामवीर सिंह ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। 2022 के चुनाव में सपा के जियाउर्रहमान बर्क ने यहां जीत दर्ज की थी, लेकिन उनके सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। फूलपुर सीट से दीपक पटेल मैदान में प्रयागराज की फूलपुर सीट से बीजेपी ने दीपक पटेल को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर पिछले चुनाव में प्रवीण पटेल जीते थे, लेकिन उनके सांसद बनने के बाद उपचुनाव की स्थिति बनी। अन्य प्रमुख नाम बीजेपी ने मझवां सीट से सुचिस्मिता मौर्य, खैर से सुरेंद्र दिलेर, और कटेहरी से धर्मराज निषाद को प्रत्याशी घोषित किया है। मीरापुर सीट, रालोद के लिए छोड़ी गई है।

मानसिक रूप से कमजोर महिला से धोखे से जमीन का बैनामा

एजेंसी । फूलपुर

कोतवाली क्षेत्र के बक्शपुर गांव में एक मानसिक रूप से कमजोर महिला से धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा कराने का मामला सामने आया है। महिला के बेटे मोहम्मद अरसलान का आरोप है कि उसके सौतेले मामा, मोहम्मद उमर और मोहम्मद इब्राहिम ने झाड़-फूंक के बहाने उसकी मां जुलेखा उर्फ रेहाना खां से 22 लाख रुपए में उनकी जमीन का बैनामा करा लिया, लेकिन पैसे पूरी तरह से उनके खाते में नहीं आए। खाते में केवल 2 लाख रुपए ही जमा किए गए थे, जिसे बाद में आरोपियों ने निकाल लिया। अरसलान को इस धोखाधड़ी का पता तहसील से दाखिल खारिज की नोटिस आने पर चला। उसने आरोप लगाया कि जब वह बैनामेदारों के पास जाकर बैनामा रद्द करने की बात करने गए, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। अरसलान ने पांच लोगों के खिलाफ फूलपुर कोतवाली में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूपी उपचुनाव: सपा ने सभी नौ सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने का किया ऐलान

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) सभी नौ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इस निर्णय की घोषणा सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार की देर शाम की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चुनाव सीटों का नहीं, बल्कि जीत का है। सभी उम्मीदवार सपा के चुनाव चिह्न 'साइकिल' पर चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस ने नहीं लड़ा चुनाव

इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस पार्टी ने इन उपचुनावों में भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है। अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में कहा कि सपा और कांग्रेस एकजुट होकर एक बड़ी जीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस सहयोग को लेकर कार्यकर्ताओं के उत्साह को भी उजागर किया।

कांग्रेस की सीटों की मांग

हालांकि, सपा प्रमुख ने सभी नौ सीटों पर संयुक्त प्रत्याशी उतारने की बात की है, लेकिन असलियत यह है कि सपा ने पहले ही सात प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। सपा ने कांग्रेस को केवल दो सीटें—अलीगढ़ की खैर और गाजियाबाद दी हैं, जबकि कांग्रेस ने पांच सीटों की मांग की थी।

सपा का लचीला रुख

अखिलेश यादव के लचीले रुख के बाद कांग्रेस ने बैठक बुलाई थी, जिसमें प्रत्याशी चयन की चर्चा होनी थी। इसी बीच सपा ने फूलपुर सीट से अपना प्रत्याशी नामांकित कर दिया है। इस पर कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की जांच प्रणाली फेल, चेक मीटर नहीं लगाए जा रहे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 3.45 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के लिए लगाए जा रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की निगरानी में बड़ी खामी पाई गई है। नियमानुसार, स्मार्ट मीटरों के साथ पांच प्रतिशत पुराने मीटर चेक मीटर के तौर पर लगाए जाने चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस मामले में पावर कारपोरेशन के एमडी से शिकायत की, जिसके बाद सभी जगहों पर चेक मीटर लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

आरडीएसएस योजना में अनियमितता

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि केंद्र की रिवैंप डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। वर्मा ने योजना की सीबीआई जांच की मांग की है ताकि उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रह सकें।

आगरा एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सीआईएसएफ अलर्ट

एजेंसी । आगरा

आगरा एयरपोर्ट को दिवाली से पहले बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। 4 अक्टूबर को सीआईएसएफ आगरा एयरपोर्ट इकाई की आधिकारिक मेल आईडी पर एक धमकी भरा संदेश भेजा गया। इस संदेश के मिलने के बाद सीआईएसएफ ने सुरक्षा बढ़ा दी है। धमकी की सूचना मिलने के बाद सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर अनूप कुमार ने बुधवार रात थाना शाहगंज में मामला दर्ज कराया। इस संबंध में धमकी और आईटी एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर सेल की टीम इस मेल को भेजने वाले के बारे में जानकारी जुटा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी आगरा में रेलवे स्टेशन को उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

आरा में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, बाइक सवार बदमाशों ने की गोलीबारी

आरा। बिहार के आरा में दिनदहाड़े एक प्रॉपर्टी डीलर शाहिद आलम उर्फ पप्पू को तीन गोलियां मारी गईं। यह घटना नगर थाना क्षेत्र के गांगी पुल के समीप हुई। घायल को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शाहिद आलम पिछले कुछ समय से पांच कट्ठा जमीन को लेकर विवाद में थे। यह जमीन उन्होंने अपनी चचेरी बहन से खरीदी थी। कथित तौर पर, जिन लोगों से विवाद चल रहा था, उन्हीं पर इस हमले का आरोप लगाया गया है। गोली मारने के आरोप में मोहम्मद शाहनवाज उर्फ गुड्डू, मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद तनवीर अख्तर का नाम सामने आया है। आरा के निजी अस्पताल में इलाज कर रहे सर्जन डॉक्टर विकास सिंह ने बताया कि मरीज को तीन गोलियां लगी हैं।

व्यापार जगत

एनवीडिया-रिलायंस का एआई केंद्र स्थापित करने का समझौता

एजेंसी । नई दिल्ली

चिप निर्माण में प्रमुख कंपनी एनवीडिया कॉर्प के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने घोषणा की है कि उनकी कंपनी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना और नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता किया है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को दी गई।

भारत का वैश्विक तकनीकी भूमिका में विकास

इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। मुकेश अंबानी का मानना है कि इससे देश की तकनीकी क्षमता में वृद्धि होगी और भारत वैश्विक आसूचना बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकेगा। हुआंग ने कहा कि इस गठजोड़ के तहत रिलायंस भारतीय उपभोक्ताओं के लिए नए एप्लिकेशन विकसित करेगी।

डेटा सस्ते दाम पर उपलब्ध

अंबानी ने कहा कि रिलायंस जियो विश्वस्तर पर सबसे बड़ी डेटा कंपनी है, जो 15 सेंट प्रति जीबी की दर पर डेटा उपलब्ध कराती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में डिजिटल अवसंरचना अमेरिका और चीन से बेहतर है, जो आने वाले समय में एआई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर सकता है।

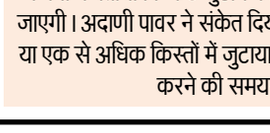

ब्लैकवेल एआई चिप का होगा उपयोग

रिलायंस का नया डेटा सेंटर एनवीडिया के नवीनतम ब्लैकवेल एआई चिप का उपयोग करेगा। एनवीडिया पहले से ही भारत में छह स्थानों पर कार्यरत है, और यह अपने त्वरित कम्प्यूटिंग स्टैक के माध्यम से एआई अवसंरचना को विकसित करने के लिए उद्यमों और स्टार्टअप के साथ सहयोग कर रही है।

भारत के चिप डिजाइनिंग में प्रमुखता

हुआंग ने चिप डिजायनिंग में भारत की विश्वस्तरीय स्थिति की सराहना की और कहा कि एनवीडिया का एक-तिहाई कार्य बल भारतीय है। अंबानी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत एआई सेवाओं में न केवल सीईओ तैयार करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

कोलगेट-पामोलिव इंडिया का शुद्ध लाभ 16.17% बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं की प्रमुख कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 16.17 प्रतिशत का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो कि 395.05 करोड़ रुपए है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 340.05 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि समीक्षाधीन तिमाही में सीपीआईएल की कुल बिक्री 10.04 प्रतिशत बढ़कर 1,609.21 करोड़ रुपए पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 1,462.38 करोड़ रुपए थी।

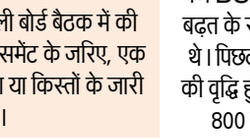

जुलाई-सितंबर में सीपीआईएल का कुल व्यय सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत बढ़कर 1,695.09 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ प्रभा नरसिम्हन ने कहा कि कठिन परिचालन माहौल के बावजूद कंपनी ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

नरसिम्हन ने बताया कि टूथपेस्ट श्रेणी में कोलगेट मैक्सफ्रेश और कोलगेट स्ट्रॉन्ग टीथ जैसे ब्रांडों ने उच्च एकल अंक की वृद्धि हासिल की है। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार की कठिनाइयों के बावजूद, कंपनी अपने लाभ-हानि अनुपात का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध है और बेहतर उत्पादों तथा विज्ञापनों में निवेश जारी रखेगी।

शेयर बाजार में हल्की गिरावट

- सेंसेक्स और निफ्टी में हरे निशान की मौजूदगी
- बीएसई सेंसेक्स 80,065.16 पर बंद, निफ्टी 24,399.40 पर

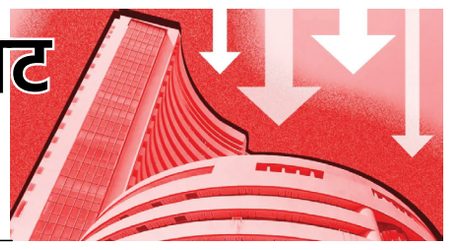

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गुरुवार को देश का शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ, लेकिन प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने हरे निशान पर स्थिरता दिखाई। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का संवेदी सेंसेक्स 16.82 अंक यानी 0.02 प्रतिशत गिरकर 80,065.16 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 36.10 अंक या 0.15 प्रतिशत नीचे 24,399.40 के स्तर पर आ गया।

शेयरों में मिलाजुला प्रदर्शन

दिन के कारोबार में लगभग 1,509 शेयरों में तेजी आई, जबकि 2,256 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी के टॉप गेनरों में अल्ट्रासीमेंट, श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन के शेयर शामिल रहे, जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई लाइफ, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया और बजाज ऑटो के शेयरों ने नुकसान उठाया।

सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर हरे निशान में

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 19 ने लाभ दर्ज किया। प्रमुख गेनरों में अल्ट्रासीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, अडाणी पोर्ट्स, एसबीआई, पावरग्रिड, सनफार्मा और एनटीपीसी शामिल रहे। दूसरी ओर, टॉप लूजर में हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, मारुति, एशियन पेंट और इन्फोसिस रहे।

भारतीय रुपया स्थिर, 84 .07 प्रति डॉलर

आज भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84 .07 पर स्थिर रहा। इस दौरान, बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई, लेकिन अंत में सेंसेक्स और निफ्टी में हल्की गिरावट देखी गई। प्री-ओपनिंग सत्र में सेंसेक्स 80,265 .66 पर और निफ्टी 24,300 पर देखा गया।

अदाणी पावर ने जुटाएगी 5,000 करोड़ रुपए

निदेशक मंडल की बैठक में होगी चर्चा, फंड जुटाने की योजना पर होगी चर्चा

एजेंसी । नई दिल्ली

पावर और एनर्जी सेक्टर में कार्यरत अदाणी ग्रुप की कंपनी, अदाणी पावर लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसका निदेशक मंडल 5,000 करोड़ रुपए तक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (NCDs) के माध्यम से धन जुटाने पर विचार करेगा। यह सूचना कंपनी ने बुधवार, 23 अक्टूबर 2024 को एक नियामकीय फाइलिंग के जरिए शेयर बाजार को दी।

आगामी बोर्ड बैठक में फंड का प्रस्ताव

कंपनी ने बताया कि फंड जुटाने की योजना पर चर्चा 28 अक्टूबर 2024 को होने वाली बोर्ड बैठक में की जाएगी। अदाणी पावर ने संकेत दिया है कि यह धन सार्वजनिक निर्गम या प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए, एक या एक से अधिक किस्तों में जुटाया जा सकता है। हालांकि, कंपनी ने फंड के उपयोग या किस्तों के जारी करने की समयसीमा को लेकर कोई विवरण साझा नहीं किया है।

Q2 वित्तीय नतीजे भी होंगे जारी

28 अक्टूबर को होने वाली बैठक में कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे भी घोषित करेगी। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में अदाणी पावर ने 3,913 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो कि सालाना आधार पर 55 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

अदाणी पावर के शेयरों में तेजी

फंड जुटाने की घोषणा के बाद अदाणी पावर के शेयरों में तेजी आई है। गुरुवार की सुबह 9 :55 बजे BSE पर, कंपनी के शेयर 2 .52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 601 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले साल में कंपनी के शेयरों में 86 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और पिछले पांच वर्षों में निवेशकों को 800 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिला है।

रबाडा की गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका सात विकेट से जीता

एजेंसी । मीरपुर

अनुभवी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की शानदार गेंदबाजी (मैच में नौ विकेट) से दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश को सात विकेट से शिकस्त देकर 1-0 की बढ़त बना ली है। मेहमानी टीम की पहली पारी में 114 रन बनाने वाले काइल वेरेने को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा टेस्ट मंगलवार से चटगांव में शुरू होगा।

22 ओवर में मिला लक्ष्य

मैच के चौथे दिन गुरुवार को रबाडा की गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश की दूसरी पारी 307 रन पर सिमट गई। इससे दक्षिण अफ्रीका को 106 रन का लक्ष्य मिला। दक्षिण अफ्रीका ने लंच से पहले के सत्र में 22 ओवर में तीन विकेट पर 106 रन बनाकर मैच को अपने नाम किया। बांग्लादेश की पहली पारी 106 रन पर सिमटी थी जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने 308 रन बनाकर 202 रन की बढ़त हासिल की थी। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में सात विकेट पर 283 रन से आगे से की लेकिन रबाडा और वियान मुल्डर ने दूसरी नई गेंद से बल्लेबाजों को ज्यादा मौके नहीं दिए। रबाडा ने शुरुआती ओवर में नईम हसन को पगबाधा कर टेस्ट पारी में 15वीं बार पांच विकेट झटकने का कारनामा किया। उन्होंने फिर मेहदी हसन मिराज (97) को शतक पूरा करने से पहले लौटा दिया।

न्यूजीलैंड की पहली पारी 259 पर सिमटी

नंबर गेम

- 11 विकेट गिरे मैच के पहले दिन जिसमें दस स्पिनरों और एक पेसर ने झटका
- 9वीं बार अश्विन ने न्यूजीलैंड के कप्तान लैथम को आउट किया

एजेंसी । पुणे

तीन दिन पहले तक वाशिंगटन सुंदर टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे। दिल्ली के खिलाफ रणजी मैच में शतक जड़ने के साथ तीन विकेट लेने के बाद उन्हें टीम में शामिल किया गया। कुलदीप और अक्षर को दरकिनार कर तमिलनाडु के इस ऑफ स्पिनर को दूसरे टेस्ट की अंतिम एकादश में भी जगह मिल गई। पुणे के स्पिन ट्रैक पर गुरुवार को सुंदर ने घूमती गेंदों पर न्यूजीलैंड को नचाकर कप्तान के फैसले को सही साबित कर दिया।

तीन साल बाद पहला टेस्ट खेलने वाले वाशिंगटन ने सात विकेट चटका किया करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

स्पिन ट्रैक पर सुंदर के जाल में फंसे कीवी

सुंदर ने पांच बोल्ड किए

तीन साल बाद अपना पहला टेस्ट खेल रहे सुंदर (59/7) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की टीम पहले दिन 259 रन पर सिमट गई। कीवियों के लिए कॉन्वे ने 76, रचिन ने 65 और मिचेल सेंटनर ने 33 रन का योगदान दिया। सुंदर ने इन सात में से पांच विकेट ऑफ स्टंप की लाइन का शानदार इस्तेमाल कर झटके। उन्होंने इस दौरान रचिन, ब्लंडेल (3), सेंटनर, साउदी (5) और एजाज पटेल (4) को बोल्ड किया। जबकि एक को एलबीडब्ल्यू और एक को कैच करवाया। इससे पहले सुंदर ने चार टेस्ट में सिर्फ छह विकेट झटके थे। तीन विकेट तमिलनाडु के उनके सीनियर साथी अश्विन ने चटकाए।

रोहित खाता नहीं खोल सके

पहले दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 16 रन पर एक विकेट गंवा दिया था। स्टंप के समय गिल 10 और यशस्वी छह रन बनाकर क्रीज पर थे। भारत अभी 243 रन से पीछे है। टीम साउदी ने अपने दूसरे ओवर में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को खाता खोले बगैर बोल्ड कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

पहली बार

यह भारतीय सरजमीं पर पहली बार है जब किसी टेस्ट मैच में सभी 10 विकेट दांए हाथ के ऑफ स्पिनरों ने झटके हो। एक तथ्य यह भी है कि ये सारे विकेट एक ही छोर से गिरे।

नाथन से आगे निकले अश्विन

अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दुनिया के सातवें गेंदबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ने डेवोन कॉन्वे (530 विकेट, 129 मैच) को पीछे छोड़ा। अश्विन 104 मैचों में 2.82 की इकोनॉमी से 531 विकेट चटका चुके हैं। टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुरलीधरन (800) के नाम है।

रचिन-कॉन्वे की साझेदारी

अश्विन ने दिन के शुरुआती सत्र में न्यूजीलैंड के कप्तान लैथम (15) और विल यंग (18) को चलता किया। कॉन्वे ने स्पिनरों के खिलाफ रिवर्स स्वीप और ड्राइव का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने रचिन के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े। रचिन को इसके बाद डेरिल मिचेल (18) का अच्छा साथ मिला। दोनों ने 95 गेंद में 59 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी में हालांकि रचिन ने बड़ा योगदान दिया। रचिन को जडेजा की गेंद पर जीवनदान भी मिला जब शॉर्ट लेग पर सरफराज उनका मुश्किल कैच नहीं लपक सके।

62 रन पर गंवाए सात विकेट

न्यूजीलैंड की टीम एक समय तीन विकेट पर 197 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ रहा था। लेकिन सुंदर की फिरकी के सामने उसने 62 रन के अंदर सात विकेट गंवा दिए। उन्होंने अपने 14वें ओवर में पिछले मैच के शतकवीर रचिन को आउट कर पहली सफलता हासिल करने के बाद अपने छोर से विकेट चटकाना जारी रखा। इससे पहले दिन के शुरुआती सत्र में रोहित ने सात ओवर के बाद ही स्पिनरों को गेंद थमाने का फैसला किया। अश्विन ने अपनी पांचवीं गेंद पर लैथम को चलता कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

हॉकी की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने लिया संन्यास

एजेंसी । नई दिल्ली

- 254 मैच रानी ने करियर में खेलकर 205 गोल किए
- 2020 में खेलरत्न और पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया

गरीबी और रूढ़ीवादी समाज की वर्जनाओं को तोड़ते हुए उदीयमान खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनीं भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने 16 साल के सुनहरे करियर पर विराम लगाते हुए गुरुवार को खेल को अलविदा कह दिया।

जर्सी नंबर 28 रिटायर

यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भारत और जर्मनी पुरुष टीमों के बीच मैच के बाद रानी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में हॉकी इंडिया ने उनकी जर्सी नंबर 28 को रिटायर करने का फैसला किया। उन्हें हॉकी इंडिया ने दस लाख रुपये का चेक भी प्रदान किया। इस 29 वर्षीय दिग्गज फॉरवर्ड ने 2008 में ओलंपिक क्वालीफायर में 14 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया। उन्होंने भारत के लिए 254 मैच में 205 गोल किए।

मुंबई के मैदानों से

अंतिम आठ में विश्वास कीर्तन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

प्रथम वरीय विश्वास कीर्तन ने आरव मुले को 6-3, 7-6 (8) से पराजित करके सीसीआई टेनिस कोर्ट पर खेले जा रहे एमएसएलटीए-सीसीआई अखिल भारतीय रैंकिंग टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इसके अलावा अन्य मैचों में अंश रामानी ने नमन शाह को 7-5, 6-1 से, कियान पटेल ने ऋशव प्रसाद को 6-1, 6-3 से, महीन झवेरी ने प्रवाक्शी श्रीवास्तव को 6-3, 2-6, 6-4 से, माधव दधिच ने अंश जलोटा को 6-3, 6-3 से, अर्जुन मणिकंदन ने विश्वाक गुनामपल्ली को 6-1, 6-0 से, आहन जैन ने सर्वज्ञा सरोदे को 7-5, 6-0 से और आरव छल्लानी ने सोहम रणसुभे को 6-3, 6-0 से हराते हुए प्रतियोगिता के अंतिम आठ में जगह बनाई।

विष्णु वर्धन की आगे कूच

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बांद्रा जिमखाना पर खेले जा रहे 2.5 लाख ईनामी राशि वाली जे एस परेरा मेमोरिअल ऑल इंडिया एआईटीए टेनिस प्रतियोगिता में पहली रैंक वाले विष्णु वर्धन ने राशेन सैम्युल को 6-0, 6-2 से हराया और प्रतियोगिता में आगे कूच किया। प्री-क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में माधविन कामत ने प्राज्वल तिवारी को 6-3, 6-4 से, यश यादव ने अज़मीर शेख को 6-1, 7-5 से, अभिनंदन बोर्ठाकुर ने धनजंय सिंह को , प्रसाद इंगले ने राघव जयसिंघानी को 6-2, 6-1 से, यश चौरसिया ने ओमर सुमार को 6-2, 6-1 से और इशाक़ इकबाल ने विश्वजीत सनस को 6-1, 6-0 से मात दी और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

22 नवंबर से होगा आई-लीग फुटबॉल का आगाज

एजेंसी । नई दिल्ली

आई-लीग फुटबॉल के 2024-25 सत्र का आगाज 22 नवंबर से होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। लीग के शुरुआती दिन दो मैच खेले जाएंगे। उद्घाटन मैच हैदराबाद में श्रीनिदि डेक्कन और गोकुलम केरल के बीच खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला पश्चिम बंगाल के नैहाटी में इंटर काशी और स्पोर्टिंग क्लब बेंगलुरु के बीच होगा। 12 टीमों की लीग का आयोजन 6 अप्रैल, 2025 तक होगा। देश की दूसरे स्तर की लीग के आगामी सत्र में स्पोर्टिंग क्लब बेंगलुरु और डेम्पो एससी नई टीमें होंगी। दोनों टीमें आई लीग 2 में पिछले सत्र की विजेता और उपविजेता रही थीं।

'ख्वाबों का झमेला' का ऐलान

प्रतीक बब्बर को आखिरी बार फिल्म 'इंडिया लॉकडाउन' में देखा गया था, जो 2 दिसंबर, 2022 को ZEE5 पर रिलीज हुई थी। अब प्रतीक की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम 'ख्वाबों का झमेला' है। इस फिल्म में प्रतीक की जोड़ी अभिनेत्री सयानी गुप्ता के साथ बनी है। इस फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ चुका है, जिसमें दोनों सितारों की झलक दिख रही है। 'ख्वाबों का झमेला' की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

8 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

प्रतीक की फिल्म 'ख्वाबों का झमेला' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म का प्रीमियर 8 नवंबर, 2024 से होगा। कुब्रा सेठ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। जियो स्टूडियो ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'जिंदगी तो दो दिन का मेला है, लेकिन मत भूलना 'ख्वाबों का झमेला' है।' बता दें कि प्रतीक के पास सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' भी है। उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

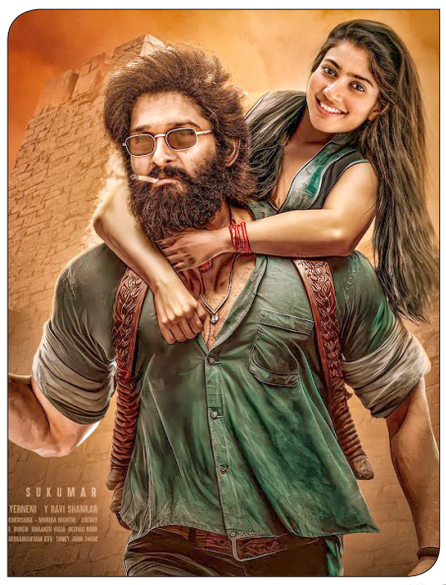

तय समय से पहले रिलीज होगी 'पुष्पा 2'

पिछले लंबे समय से अभिनेता अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म 'पुष्पा : द रूल' को लेकर चर्चा में हैं। यह 2021 में आई फिल्म 'पुष्पा : द राइज' का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ था। 'पुष्पा : द रूल' 6 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव किया गया है। दरअसल, यह फिल्म तय समय से पहले सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

रिकॉर्ड एक दिन पहले टूटेंगे

'पुष्पा : द रूल' सिनेमाघरों में तय तारीख से एक दिन पहले रिलीज हो जाएगी। यह फिल्म अब 5 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी। टी-सीरीज ने लिखा, 'जश्न एक दिन पहले शुरू होगा। बॉक्स ऑफिस पर आतिशबाजी एक दिन पहले शुरू होगी। रिकॉर्ड एक दिन पहले टूटेंगे। पुष्पा राज की रूल एक दिन पहले शुरू होगी।' पिछले कुछ दिनों फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव की खबरें आ रही थीं और अब इसका आधिकारिक ऐलान हो गया है।

'द साबरमती रिपोर्ट' का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी पिछले लंबे समय से अपनी आने वाली फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान रंजन चंदेल ने संभाली है, जो वामिका गब्बी की वेब सीरीज 'ग्रहण' के लिए जाने जाते हैं। एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता हैं। अब निर्माताओं ने 'द साबरमती रिपोर्ट' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसे दर्शक खूब पंसद कर रहे हैं। इसमें विक्रांत का धांसू अवतार दिख रहा है।

25 अक्टूबर को रिलीज होगा फिल्म का टीजर

फिल्म का पहला पोस्टर साझा कर निर्माताओं ने बताया कि 'द साबरमती रिपोर्ट' का टीजर 25 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। उन्होंने लिखा, 'वह घटना जिसने भारत का इतिहास बदल दिया। वह परिणाम जिसने भारत का भविष्य बदल दिया।' इस फिल्म में विक्रांत के साथ राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा जैसी अभिनेत्रियां अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी। 'द साबरमती रिपोर्ट' 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने को तैयार है।

मीना कुमारी के किरदार में ढलने को तैयार कियारा आडवाणी

प्रशंसकों को एक दिलचस्प कहानी देखने को मिलने वाली है क्योंकि निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म 'कमाल और मीना' में फिल्म निर्माता कमाल अमरोही और अभिनेत्री मीना कुमारी की दिलचस्प प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म 2026 में रिलीज के लिए निर्धारित है, जबकि कलाकारों का विवरण गुप्त रखा गया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मीना कुमारी की भूमिका के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी को चुना गया है। रेडिट उपयोगकर्ता ने 11 सितंबर को इंस्टाग्राम पर यूडली फिल्म्स द्वारा पोस्ट की गई फिल्म 'कमाल और मीना' के वीडियो घोषणा का स्क्रीनशॉट साझा किया। पोस्ट को अभिनेत्री द्वारा लाइक किए जाने के बाद कियारा आडवाणी के मीना कुमारी की भूमिका निभाने की अटकलें तेज हो गईं। इतना ही नहीं बल्कि ईगल-आइड फैन ने यह भी देखा कि सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने हाल ही में 'शेरशाह' अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया है।

'फौजी 2' का पहला पोस्टर जारी

साल 1988 में प्रसारित हुआ अभिनेता शाहरुख खान का टीवी शो 'फौजी' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। इस शो के जरिए उन्होंने टीवी की दुनिया में कदम रखा था। लगभग 35 साल बाद 'फौजी' का सीक्वल आ रहा है। अब शो के निर्माता संदीप सिंह ने 'फौजी 2' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। 'फौजी 2' की शूटिंग पुणे में शुरू हो चुकी है।

विक्की जैन और गौहर खान शो में आएंगे नजर

'फौजी 2' से अंकिता लोखंडे के पति-बिजनेसमैन विक्की जैन अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। इसमें उनके साथ गौहर खान नजर आएंगी। इसके अलावा इस शो में 12 नए कलाकार शामिल होंगे, जिनमें आशीष भारद्वाज, उत्कर्ष कोहली, रुद्र सोनी, अमरदीप फोगट, अयान मनचंदा, नील सतपुड़ा, सुवंश धर, प्रियांशु राजगुरु, अमन सिंह दीप, उदित कपूर, मानसी और सुष्मिता भंडारी का नाम शामिल है। 'फौजी 2' को आप हिंदी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, पंजाबी और बंगाली भाषा में देख सकेंगे।

पंकज त्रिपाठी का साथ पाकर खिल उठी 'रसप्रिया'

लोकप्रिय लेखक फणीश्वर नाथ रेणु का नाम जब भी हिंदी सिनेमा की चर्चाओं में आता है तो लोगों को उनकी कहानी 'मारे गए गुलफाम' पर बनी फिल्म 'तीसरी कसम' याद आती है। बीच में कुछ और लोगों ने भी उनकी कृतियों को कैमरे के जरिये परदे पर उतारने की कोशिश की, लेकिन जो भावुक छाप अभिनेता से निर्देशक बने अमरेंद्र शर्मा ने अपनी पहली ही कोशिश 'रसप्रिया एगो प्रेम कहानी' में छोड़ी है, वह अद्भुत है और इसकी तारीफ सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है।

फिल्म रसप्रिया एगो प्रेम कहानी' को यूट्यूब पर रिलीज किया जा चुका है। इस बारे में बात चलने पर अमरेंद्र शर्मा 'अमू' बताते हैं, 'पटना में थियटर के दौरान रेणु जी को जानने और पढ़ने का मौका मिला। हमारे थिएटर ग्रुप मंच आर्ट पटना के निर्देशक विजय कुमार थे। उन्होंने हम लोगों के साथ जिसमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी भी शामिल थे, 'रेणु के तीन रंग' नाम से नाटक किया। उसी समय से ये कहानी मेरे अंदर थी। मैं जब भी इस कहानी को पढ़ता तो ऐसा लगता है कि पचकौड़ी मिरदंगिया और रमपतिया मेरे आस पास ही भटक रहे है। 'बटोही' के बाद मैंने सोच लिया था कि इस कहानी को मैं म्यूजिकल शॉर्ट फिल्म की तरह बना सकता हूं।

हरियाणा में हार के बाद गठबंधन को लेकर लचीली हुई कांग्रेस

सहयोगियों के साथ समझौते के लिए दो कदम पीछे हटने को तैयार

यूपी और बिहार में चुनाव लड़े बगैर सहयोगी को देगी पूरा समर्थन

विश्लेषण

अमित बृज

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद, पार्टी ने गठबंधन के प्रति अपने रुख में लचीलापन दिखाना शुरू कर दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य भाजपा के खिलाफ मजबूत गठबंधन बनाकर वोटों के बंटवारे को रोकना है। कांग्रेस अब सीटों की संख्या से अधिक चुनावी जीत को प्राथमिकता दे रही है। लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस ने 99 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जिससे पार्टी की स्थिति मजबूत हुई। हालांकि, हरियाणा की हार के बाद, सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर दबाव बढ़ा दिया है, जिससे पार्टी को सीटों के बंटवारे पर समझौता करना पड़ रहा है। इसका असर अन्य राज्यों, जैसे महाराष्ट्र, झारखंड, यूपी, और बिहार के उपचुनावों में भी देखा जा रहा है, जहां कांग्रेस को अपनी मांगों को नरम करना पड़ा। महाराष्ट्र में कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी का गठबंधन काफी पुराना है, लेकिन महा विकास अघाड़ी (MVA) बनने के बाद कांग्रेस की स्थिति में बदलाव आया। पहले राज्य में कांग्रेस "बड़े भाई" की भूमिका निभाती थी, लेकिन अब वह "छोटे भाई" की भूमिका में आ गई है। हालांकि, लोकसभा चुनाव में राज्य की 17 में से 13 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस ने फिर से "बड़े भाई" की भूमिका निभाने की कोशिश की थी, लेकिन हरियाणा की हार से इस कोशिश को झटका लगा है।

मांग से कम सीटों पर समझौता

कांग्रेस वर्तमान में अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ चुनावी समझौतों के तहत सीटों पर समझौता कर रही है, जो उसकी पारंपरिक स्थिति से विपरीत है। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (MVA) के तहत कांग्रेस ने 100 से अधिक सीटों की मांग की थी, लेकिन घटक दलों—शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी—के साथ उसे बराबरी के आधार पर समझौता करना पड़ा। 2019 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने एनसीपी के साथ 147 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार यह संख्या काफी कम हो गई है। यह कांग्रेस के इतिहास में सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने की स्थिति दर्शाता है। झारखंड में भी कांग्रेस को पहले की तुलना में कम सीटों पर संतोष करना पड़ा है। 2019 में पार्टी ने 31 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि इस बार उसे 29 सीटों पर समझौता करना पड़ा है। शुरुआत में कांग्रेस ने 33 सीटों की मांग की थी और मुख्यमंत्री पद को लेकर भी अदला-बदली की शर्त रखी थी, लेकिन गठबंधन के सहयोगियों—झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM), राष्ट्रीय जनता दल (RJD), और वामपंथी दलों—के दबाव के कारण कांग्रेस को अपनी मांगों में कटौती करनी पड़ी है। यह दिखाता है कि कांग्रेस फिलहाल अपने पारंपरिक ₹बड़े भाई₹ की भूमिका से हटकर, सहयोगियों के साथ संतुलन बनाते हुए गठबंधन की राजनीति में लचीलापन दिखा रही है, ताकि भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर मजबूत विपक्षी विकल्प पेश किया जा सके।

यूपी-बिहार में बड़ा असर

बिहार और उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में कांग्रेस की स्थिति गठबंधन की राजनीति में उसके लचीले रुख का एक और उदाहरण है। बिहार की चार सीटों पर होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली है। राजद ने तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं, जबकि एक सीट पर भाकपा माले चुनाव लड़ रही है। इसको लेकर कांग्रेस और राजद के बीच कोई बैठक तक नहीं हुई, जिससे कांग्रेस नेतृत्व के भीतर असंतोष देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया और सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी (सपा) का समर्थन किया है। यूपी में नौ सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, जिसमें कांग्रेस ने शुरुआत में पांच सीटों पर अपनी दावेदारी जताई थी। हालांकि, सपा ने इन पांच सीटों पर एकतरफा अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी, जिसके बाद सपा ने कांग्रेस को गाजियाबाद सदर और खैर सीट की पेशकश की थी। कांग्रेस ने यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया और चुनाव से खुद को अलग रखते हुए सपा को समर्थन देने का फैसला किया। यह स्थिति दर्शाती है कि कांग्रेस गठबंधन की राजनीति में अपने सहयोगी दलों के सामने कुछ हद तक बैकफुट पर है और भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्षी रणनीति बनाने के लिए समझौता करने को मजबूर है।

घेरने का मौका नहीं देगी

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) का साथ बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर जब बात भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी मोर्चा बनाने की हो। उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने सपा से टकराव से बचने का फैसला किया, क्योंकि पार्टी को यह एहसास है कि सपा के साथ मिलकर चुनावी रणनीति बनाना उनके लिए फायदेमंद हो सकता है। गाजियाबाद और खैर जैसी सीटों पर कांग्रेस की स्थिति बेहद कमजोर है, और इन सीटों पर भाजपा के खिलाफ सीधे चुनाव लड़ने से हारने का जोखिम काफी ज्यादा था। कांग्रेस को यह डर था कि अगर वे इन कमजोर सीटों पर लड़कर हार जाते, तो उनके गठबंधन सहयोगी इस हार का इस्तेमाल उनके खिलाफ कर सकते थे और उनकी स्थिति को और कमजोर कर सकते थे। इसलिए, कांग्रेस ने इन सीटों पर सपा का समर्थन करने का फैसला किया और खुद को चुनाव से अलग रखा, ताकि भविष्य में गठबंधन के सहयोगियों के साथ सामंजस्य बना रहे और भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्षी मोर्चे की संभावना को मजबूत किया जा सके। यह रणनीति कांग्रेस की इस सोच को दर्शाती है कि सपा के साथ बेहतर तालमेल और गठबंधन बनाए रखना उनके लिए दीर्घकालिक राजनीतिक फायदे के लिए जरूरी है।

चुनावी चकल्लस

नितिन तोरस्कर

उद्धव के शिवसैनिकों के सामने डबल चैलेंज

महाराष्ट्र में शिवसेना का विभाजन और उसके बाद की राजनीतिक स्थिति ने राज्य की राजनीति को गहराई से प्रभावित किया है। 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुई बगावत के बाद शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई—एकनाथ शिंदे की शिवसेना (जिसके पास तीन कमान का चुनाव चिन्ह है) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) (जिसके पास मशाल का चुनाव चिन्ह है)। अब उद्धव ठाकरे और उनके समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि मशाल असली शिवसेना का प्रतीक है। इस संदर्भ में, आगामी विधानसभा चुनावों में उनका प्रचार मशाल को पहचान दिलाने पर केंद्रित है। पार्टी के उम्मीदवार और कार्यकर्ता आक्रामक तरीके से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि मतदाताओं को मशाल चुनाव चिन्ह से पूरी तरह से परिचित कराया जाए। उद्धव ठाकरे ने अपने अभियान में कई बार बगावत के मुद्दे को उठाकर इमोशनल अपील की है, ताकि वे मतदाताओं को यह संदेश दे सकें कि वे ही शिवसेना की असली धारा का प्रतिनिधित्व करते हैं। मराठवाड़ा के तीन विधायक जिन्होंने बगावत के समय उद्धव ठाकरे का साथ नहीं छोड़ा, इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये विधायक—उदयसिंह राजपूत (कन्नड), कैलास पाटिल (धाराशिव-कालंब), और राहुल पाटिल (परभणी)—अपने क्षेत्रों में मशाल चुनाव चिन्ह के प्रचार में जुटे हुए हैं। कैलास पाटिल ने यह भी कहा कि बीजेपी के साथ गठबंधन न होने से उनके लिए राहत की स्थिति बनी है, क्योंकि पिछले चुनावों में उन्हें भीतरघात का सामना करना पड़ा था। इस बार, पार्टी आक्रामक तरीके से नए सिंबल के प्रचार में जुटी है ताकि लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके और सही पहचान बनाई जा सके।

उत्तर भारतीयों को रिझाने आए उत्तर प्रदेश से नेता

महाराष्ट्र में भाजपा ने उत्तर प्रदेश और अन्य भाजपा शासित राज्यों से विधायकों, सांसदों, और नेताओं को चुनाव प्रचार में उतारा है, ताकि वे उत्तर भारतीय प्रवासी और अन्य समुदायों के बीच पार्टी के लिए समर्थन जुटा सकें। खासकर मुंबई के उन इलाकों में, जहां उत्तर भारतीय प्रवासी मतदाताओं की संख्या अधिक है, जैसे वर्ली, सायन-कोलीवाडा, दिंडोशी, वर्सोवा, और कालीना, इन नेताओं को भेजा गया है। हालांकि, इस रणनीति का असर वैसा नहीं दिख रहा है जैसा पार्टी ने उम्मीद की थी। उत्तर भारतीय समुदाय से आने वाले कई नेताओं ने इन क्षेत्रों से टिकट की मांग की थी, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिलने के कारण नाराजगी देखी जा रही है। इसके चलते, यूपी और अन्य राज्यों से आए नेताओं के चुनाव प्रचार में भी सीमित प्रभाव दिखाई दे रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता का कहना है कि यूपी से आए नेताओं और विधायकों को हर दिन राज्य के प्रभारी को अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट देनी पड़ती है, जिसमें यह बताया जाता है कि वे दिनभर में कितने लोगों से मिले और कहां प्रचार किया। इसके प्रमाण के रूप में उन्हें अपनी मुलाकातों की तस्वीरें भी भेजनी होती हैं। कई नेता, जो सोच रहे थे कि मुंबई का प्रचार उनके लिए सरल होगा, अब वे दिनभर जमीनी स्तर पर लोगों से संवाद करने में व्यस्त हो गए हैं, जो एक कठिन और थकाऊ काम साबित हो रहा है। यह स्थिति यह भी दिखाती है कि बाहरी नेताओं के नेतृत्व में चुनाव प्रचार करना स्थानीय जनता पर उतना प्रभावी नहीं हो रहा है, जितना कि पार्टी ने सोचा था। महाराष्ट्र की राजनीति और मतदाताओं की प्राथमिकताएं अलग हो सकती हैं, और यूपी से आए नेताओं को इन स्थानीय संवेदनाओं के साथ तालमेल बैठाने में कठिनाई हो रही है।

जिसके साथ विदर्भ, उसकी नैया पार

रणनीति

धीरज सिंह

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला क्षेत्र माना जाता है, क्योंकि यह 62 विधानसभा सीटों और 10 लोकसभा सीटों के साथ सत्ता के समीकरण तय करने में अहम होता है। जिस दल को विदर्भ क्षेत्र का समर्थन मिलता है, वह अक्सर महाराष्ट्र में सत्ता तक पहुंचने में सफल होता है। पारंपरिक रूप से विदर्भ कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, लेकिन 1990 के दशक में राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद भाजपा ने इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू की। नागपुर, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय है, ने भाजपा के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में काम किया। यहां से भाजपा को नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे प्रमुख नेताओं का उदय देखने को मिला, जिन्होंने राज्य और केंद्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही इस बार के विधानसभा चुनावों में विदर्भ पर अपना आधिपत्य जमाने के लिए पूरी ताकत से मुकाबला कर रहे हैं। कांग्रेस के लिए यह क्षेत्र उसकी पुरानी राजनीतिक पकड़ को वापस पाने का अवसर है, जबकि भाजपा, जो पिछले तीन दशकों में इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत कर चुकी है, इसे बनाए रखने की कोशिश कर रही है। विदर्भ की राजनीतिक स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल जनसंख्या और सीटों के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करता है। इस क्षेत्र में पार्टी की जीत अक्सर पूरे राज्य में चुनावी परिणामों को प्रभावित करती है।

लोग बोले-विकास हुआ तो फिर क्यों घट रहीं सीटें?

नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे नेताओं की वजह से महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में पिछले कुछ सालों में काफी विकास कार्य हुए हैं। गडकरी, जो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं, विदर्भ में बुनियादी ढांचे के विकास, सड़क निर्माण, और औद्योगिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। वहीं, फडणवीस ने मुख्यमंत्री रहते हुए क्षेत्र में विकास योजनाओं को आगे बढ़ाया, जिससे विदर्भ की छवि ₹बहुत पिछड़े₹ क्षेत्र से बदलने लगी। इसका परिणाम यह रहा कि नितिन गडकरी ने नागपुर से लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीता, और उनके विकास कार्यों की स्थानीय लोग सराहना भी करते हैं। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए विदर्भ में एक अलग तस्वीर देखने को मिली। जहां गडकरी ने अपनी सीट बनाए रखी, वहीं पूरे विदर्भ क्षेत्र में भाजपा की लोकसभा सीटों की संख्या घटकर 2009 के स्तर पर, यानी 5 से 2 हो गई। इससे यह स्पष्ट होता है कि विदर्भ में व्यक्तिगत नेताओं की लोकप्रियता और उनके विकास कार्यों के बावजूद, भाजपा की पार्टी के रूप में स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई थी। यह क्षेत्र, जो भाजपा के लिए महत्वपूर्ण रहा है, अब कांग्रेस जैसी अन्य पार्टियों के लिए भी अवसरों का केंद्र बन रहा है। भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में विदर्भ पर ध्यान केंद्रित करना इस क्षेत्र में पार्टी की स्थिति को फिर से मजबूत करने के लिए आवश्यक होगा।

जिसके साथ विदर्भ, उसके पास सत्ता!

विदर्भ क्षेत्र की राजनीति का महाराष्ट्र की सत्ता पर प्रभाव बहुत स्पष्ट है। यह क्षेत्र जिस दल या गठबंधन का समर्थन करता है, वही अक्सर राज्य की सत्ता के करीब पहुंच जाता है, और यह पिछले 10 वर्षों के चुनावी परिणामों से भी स्पष्ट होता है। 2014 में, भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने विदर्भ की सभी 10 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद, विधानसभा चुनाव में दोनों दल अलग-अलग लड़े थे, फिर भी भाजपा ने विदर्भ की 62 में से 44 सीटें जीतीं। इस जीत ने भाजपा को महाराष्ट्र की राजनीति में अभूतपूर्व बढ़त दिलाई और उसे राज्य में पहली बार मुख्यमंत्री का पद मिला। भाजपा की यह सफलता मुख्य रूप से विदर्भ में उसकी मजबूत पकड़ के कारण संभव हुई थी, जहां क्षेत्र की सीटों ने राज्य की कुल 122 सीटों तक पहुंचने में बड़ी भूमिका निभाई थी। हालांकि, 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा-शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन फिर भी भाजपा को विदर्भ में केवल 29 सीटें मिलीं। इससे राज्य की कुल सीटों में भाजपा की संख्या घटकर 105 रह गई, और बाद में शिवसेना ने गठबंधन तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली, जिससे भाजपा सत्ता से बाहर रह गई। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा के लिए विदर्भ का परिणाम उत्साहजनक नहीं रहा। इस बार, पूरे विदर्भ में उसे केवल दो सीटें मिलीं—नागपुर से नितिन गडकरी और अकोला से। अकोला में भाजपा की जीत संभवतः प्रकाश आंबेडकर के खड़े होने के कारण वोट बंटवारे का परिणाम हो सकती है। विदर्भ की राजनीति भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक रही है। जब तक भाजपा ने इस क्षेत्र पर मजबूत पकड़ बनाए रखी, वह सत्ता के करीब रही, लेकिन हाल के चुनावों में सीटों की गिरावट ने उसकी स्थिति को कमजोर कर दिया। आगामी चुनावों में भाजपा के लिए विदर्भ पर फिर से पकड़ बनाना राज्य की राजनीति में उसकी स्थिति को सुधारने के लिए बेहद जरूरी होगा।

क्या इस चुनाव में परिणाम लोकसभा जैसे आएंगे?

भाजपा के लिए ये संकेत अच्छे नहीं कहे जा सकते, लेकिन भाजपा नेता नहीं मानते कि लोकसभा जैसे चुनाव परिणाम विधानसभा में भी आएंगे। भाजपा प्रवक्ता अजय पाठक कहते हैं कि लोकसभा और विधानसभा के मुद्दे बिल्कुल अलग-अलग होते हैं। लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का भ्रम फैलाकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लाभ ले लिया। अब वैसा नहीं होनेवाला। विदर्भ की ही कामटी सीट से खुद चुनाव लड़ रहे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि नागपुर जैसे बड़े नगर तो भाजपा के विकास को देख रहे हैं। कभी नक्सलवाद के लिए कुख्यात रहे गढ़चिरौली जिले में भी अब उद्योग पहुंच रहे हैं। इसके कारण वहां के युवाओं को रोजगार मिलने की सुनिश्चितता बढ़ गई है। विदर्भ के ही दूसरे विभाग अमरावती को टेक्सटाइल उद्योग का केंद्र बनाने का प्रयास भी भाजपा सरकार ही कर रही है, जिसके कारण इस विदर्भ और मराठवाड़ा के कपास उत्पादक किसानों के उत्पादों की खपत अब आसान हो जाएगी। इन विकास कार्यों के अलावा पिछड़े विदर्भ में कुछ ही महीनों पहले शुरू की गई मुख्यमंत्री लाडली बहिन योजना का भी अच्छा असर दिखाई दे रहा है। सत्ता पक्ष को उम्मीद है कि महाराष्ट्र की लाभार्थी बहनें भी उसकी नैया पार लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।